सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

RNI NO-UPHIN/2023/84340

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शुक्रवार, 27 फरवरी 2026 | वर्ष: 03, अंक: 351, पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आतंकवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता: मोदी

भारत-इजरायल संबंध गहरे विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की मजबूत आधारशिला पर स्थापित: पीएम मोदी

यरूशलम/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत-इजरायल संबंध गहरे विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की मजबूत आधारशिला पर स्थापित हैं तथा दोनों देश शीघ्र ही एक पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने यरूशलम में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत और इजरायल के संबंध गहरे विश्वास, साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की मजबूत आधारशिला पर स्थापित हैं तथा समय की हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। यह ऐतिहासिक निर्णय दोनों देशों के लोगों की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है। मोदी ने बताया कि दोनों देशों ने क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज पार्टनरशिप स्थापित करने का निर्णय लिया है, जिससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिलेगी। उन्होंने इजरायल में यूपीआई के उपयोग के लिए हुए समझौते पर भी प्रसन्नता व्यक्त की तथा डिजिटल हेल्थ सहित अन्य उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। रक्षा सहयोग का

भारतीय कामगारों ने इजरायल के निर्माण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया

उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच दशकों पुराना विश्वसनीय रक्षा संबंध रहा है और हाल में हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) से इसमें नए आयाम जुड़ेंगे। दोनों देश संयुक्त विकास, संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की दिशा में आगे बढ़ेंगे। साथ ही विलेजेज ऑफ एक्सीलेंस और इंडिया-इजरायल इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीकल्चर की स्थापना से किसानों की आय और उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। लोगों के बीच संपर्क को संबंधों का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में हुए मैनपावर मोबिलिटी समझौते के तहत भारतीय कामगारों ने इजरायल के निर्माण और केयरगिवर क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब इस सहयोग का विस्तार वाणिज्य और सेवा क्षेत्रों में भी किया जा रहा है।

युवाओं, शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों को जोड़ने के लिए इंडिया-इजरायल अकादमिक फोरम की स्थापना की जा रही है। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आई-मेक) और भारत-इजरायल-यूएई-अमेरिका पहल (आई2यू2) को नई गति से आगे बढ़ाया जाएगा।

मानवता कभी भी संघर्ष की शिकार नहीं बननी चाहिए: पीएम मोदी

आतंकवाद के मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने दोहराया कि दुनिया में आतंकवाद का कोई स्थान नहीं है और किसी भी रूप में इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारत और इजरायल आतंकवाद तथा उसके समर्थकों के खिलाफ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं और आगे भी रहेंगे। पश्चिम एशिया की स्थिति पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता भारत के सुरक्षा हितों से सीधे जुड़ी है। भारत शुरू से संवाद और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थक रहा है। मानवता कभी भी संघर्ष की शिकार नहीं बननी चाहिए, यह कहते हुए गाजा शांति योजना का समर्थन दोहराया और सभी देशों के साथ संवाद एवं सहयोग जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उन्होंने नागरिक परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की भी बात कही। कृषि क्षेत्र में सहयोग को भविष्य उन्मुख बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इजरायल के सहयोग से भारत में स्थापित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मित्रता के उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

भरोसे के आधार पर भी गहराई से जुड़े भारत-इजरायल के रिश्ते

भारत और इजराइल के बीच बढ़ती नजदीकियों और अटूट विश्वास की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने दुनिया भर के देशों को चकित कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इजराइल यात्रा इस बात का प्रमाण है कि दोनों देश न केवल व्यापारिक साझेदार हैं, बल्कि सांस्कृतिक जुड़ाव और पारस्परिक भरोसे के आधार पर भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

हवाई अड्डे पर विशेष स्वागत

यात्रा के पहले दिन बुधवार को तेल अवीव के बेन गुरियन हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पत्नी सारा नेतन्याहू के साथ स्वयं उपस्थित रहे। यह एक दुर्लभ सम्मान माना जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को मेरा दोस्त कहकर गले लगाया, जिसे वैश्विक मीडिया ने मोदी हग का नाम दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के दो दिवसीय दौरे पर इजराइल पहुंचने पर उन्हें विशेष गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत एक खास और दिल को छू लेने वाले अंदाज में किया गया।

पीएम मोदी का संसद में भव्य सम्मान

प्रधानमंत्री ने एक्स पर स्वागत की तस्वीरें साझा करते हुए कहा, मैं अत्यंत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह यात्रा और द्विपक्षीय वार्ता भारत-इजराइल मित्रता को और सशक्त बनाएगी। प्रधानमंत्री जब इजराइल की संसद नेस्सेट पहुंचे तो वहां का दृश्य ऐतिहासिक रहा। सदन के सदस्यों ने खड़े होकर तालियों के साथ उनका स्वागत किया। संबोधन के दौरान मोदी-मोदी के नारों से सदन गूंज उठा। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को विश्व का एक महान नेता बताते हुए कहा कि भारत और इजराइल की दोस्ती स्वर्ग में बनी जोड़ी जैसी है।

संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी यरुशलम में इजराइल की संसद नेस्सेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। संसद पहुंचने पर स्पीकर आमिर ओहाना ने उनका औपचारिक स्वागत किया। सत्र की शुरूआत में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, विपक्ष के नेता यायर लापिड और स्पीकर ओहाना ने भारत-इजराइल संबंधों के प्रति मजबूत द्विदलीय समर्थन व्यक्त

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

'वीर सावरकर सच्चे अर्थों में योद्धा'

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज।अलोपीबाग स्थित महाराष्ट्र लोकसेवा मंडल में गुरुवार को स्वातंत्र्य वीर सावरकर की पुण्यतिथि मनाई गई। शुरूआत भगवान गणपति लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक तथा सावरकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। गोष्ठी में कहा गया कि वीर सावरकर सच्चे अर्थों में योद्धा, कुशल संगठन शिल्पी, विधिवेत्ता, इतिहासकार तथा सच्चे देशभक्त थे। युवा पीढ़ी युगों युगों तक उनके संघर्षों से प्रेरणा लेती रहेगी। मण्डल के परिसर में वीर सावरकर की भव्य प्रतिमा लगाने तथा पाठ्य पुस्तकों में वीर सावरकर की संघर्ष गाथा जोड़ने की भी मांग की गई।

मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक के प्रान्त प्रचार प्रमुख डॉ मुरारजी त्रिपाठी ने कहा कि वीर सावरकर भविष्य द्दष्टा थे। उनके सपनों का भारत बनाने की जरूरत है। उनके जीवन-चरित को पाठ्यक्रम में शामिल करना आवश्यक है। वे पहले ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने ब्रिटेन के इंडिया हाउस में ब्रिटिश सरकार को धराशाई करने के लिए क्रांतिकारियों को संगठित किया। स्वतंत्र भारत में उन्हें वह सम्मान नहीं मिल सका जिसके वास्तव में वे हकदार थे। उन्हें सम्मान देने की कौन कहे, उनका न केवल निरन्तर विरोध किया गया, अपितु निराधार-असत्य आरोप लगाए गए और उन्हें झूठे केस में फंसाया गया, जिसमें वे ससम्मान बरी किए गए। उनके सपनों का भारत बनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

विचारक चारुमित्र पाठक ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वीर सावरकर के संघर्षों की जीवन गाथा एक बार जो व्यक्ति पढ़ ले, वह कभी भी सावरकर का विरोध नहीं कर सकता, चाहे वह किसी भी वाद या दल से जुड़ा हो। उनकी जीवन गाथा पढ़ने का अवसर नई पीढ़ी को अवश्य दिया जाना चाहिए।

पूर्व प्रधानाचार्या श्रीमती आशा बेहेरे ने कहा कि वीर सावरकर त्याग, तपस्या एवं संघर्ष के पर्याय थे। उनके पद चिन्हों पर चलने की जरूरत है।

संयोजक व्रतशील शर्मा ने कहा, वीर सावरकर ने अपने काम से अपने नाम को सार्थक कर जन-जन में 'वीर सावरकर' के रूप में समादृत हुए। श्री शर्मा ने कहा की प्रयागराज में स्वातंत्र्यवीर की प्रतिमा लगनी चाहिए । इसके साथ ही उनकी आगामी जयन्ती पर उनकी कृति पर केन्द्रित सार्थक चर्चा हो, जिससे उनके चिन्तन के बारे में जन-जागरण हो और लोग प्रेरणा प्राप्त कर सकें, विशेष रूप से नई पीढ़ी ।

संघ के भाग सेवा प्रमुख विभूति द्विवेदी ने कहा कि वीर सावरकर का हिंदुत्व का चिंतन कालजयी है। देश पर मर मिटने वालों के लिए उन्होंने हुतात्मा शब्द का प्रयोग किया था। उनके विचारों को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

लोक सेवा मंडल के आलोक पौराणिक ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजीव कुमार शर्मा, दिलीप सप्रे, अनन्त अग्निहोत्री, विकास तिवारी सहित अन्य कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

पुलिस द्वारा तीन वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना करारी पुलिस द्वारा एससी/एसटी एक्ट से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त हरिओम पुत्र नत्थू निवासी ग्राम सैबसा थाना करारी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया।

थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा विस्फोटक अधिनियम से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त अमर सिंह पुत्र लालमन सिंह ग्राम शाहपुर पेरवा थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा मारपीट से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त छंगू पुत्र बबली निवासी ग्राम बड़ा गढ़वा थाना व जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया।

दो वारंटी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। एसपी अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर वारंटी की तलाश में दो थानों को पुलिस ने एक-एक वारंटी की रफ्तार कर जेल भेज दिया।

औंग पुलिस द्वारा विस्फोटक अधि0 से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त पुत्तीलाल पुत्र बासुदेव निवासी ग्राम कौडिया थाना औंग जनपद फतेहपुर 28 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

इसी प्रकार थाना बकेबर पुलिस द्वारा आबकारी अधि0 से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त सुरेश कंजड पुत्र बच्ची लाल कंजड निवासी ग्राम पल्थाहार थाना बकेवर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 45 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

तत्कालीन एस डी एम कर्मेंद्र सिंह व तत्कालीन एस पी अजय कुमार मिश्रा अब आई जी प्रयागराज को नोटिस

मैनपुरी दन्नाहार पुलिस हिरासत में मौत मामला

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 2009 में सपा काल में थाना मैनपुरी पुलिस अभिरक्षा में हुई एक दिव्यांग की मौत मामले में मैनपुरी के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक, अजय कुमार मिश्रा (वर्तमान पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज रेंज) और तदकालीन अपर जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह(वर्तमान अतिरिक्त सचिव, सचिवालय, देहरादून उत्तराखंड सरकार) को पक्षकार बनाते हैं नोटिस जारी कर हलफनामा मांगा है। याचिका की अगली सुनवाई की तिथि 16मार्च नियत की गई है।

यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन तथा न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने एसोसिएशन फार एडवोकेसी एण्ड लीगल इनीशिएटिव लखनऊ की जनहित याचिका पर दिया है।

9 मई 2009 को मैनपुरी के थाना धन्ननाहार में पुलिस लॉकअप के अंदर शौचालय में हुई नाहर सिंह उर्फ स्नेह नामक पोलियो ग्रसित 23 वर्षीय युवक की मृत्यु हो गई।लाश फंदे से लटकी मिली थी।जिसे खुदकुशी बताया गया।

याची के अधिवक्ता अंकुर शर्मा ने बहस की। कोर्ट ने तत्कालीन उप जिलाधिकारी मैनपुरी, कर्मेंद्र सिंह द्वारा घटना की मजिस्ट्रियल रिपोर्ट पर नाराजगी व्यक्त की।और बेहतर हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया। उन्हें अगली तारीख, 16 मार्च को पुनः व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने को आदेशित किया है।

कोर्ट ने मामले में पुलिस एवं प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई पर कुछ अहम सवाल पूछे। न्यायालय द्वारा घटना की वीडियो ग्राफी एवं उससे संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने का आदेश दिया एवं पुलिस अभिलेखों में उक्त घटना की प्रविष्टि से संबंधित भी कुछ अहम सवाल पुलिस एवं प्रशासन से किये।

धन्नाहार थाने के थाना अध्यक्ष को भी अभिलेख सहित हलफनामा सहित हाजिर होने का आदेश दिया।

जनहित याचिका मैनपुरी के 23 वर्षीय विकलांग युवक नाहर सिंह की पुलिस अभिरक्षा में हुई मृत्यु प्रकरण में दोषी अधिकारियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर सीबीआई जांच की मांग के लिए दाखिल की गई है।

स्थानीय पुलिस प्रशासन ने मामले को आत्महत्या का रूप देते रफा दफा कर दिया था।

एसएसपी द्वारा विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों के साथ व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की मासिक बैठक संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर दिनेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में व्यापारियों की सुरक्षा के दृष्टिगत जनपद के विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों, सराफा व्यापारी एसोसिएशन व व्यापार मंडल एवं औद्योगिक संगठन के पदाधिकारियों के साथ सुरक्षा प्रकोष्ठ की मासिक बैठक आयोजित की गयी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा बैठक में उपस्थित सभी व्यापारियों की समस्याओं को सुना गया तथा समस्याओं के समाधान हेतु आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर शंकर प्रसाद, क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी यातायात श्रीमती पूर्णिमा सिंह एवं यातायात निरीक्षक राजपाल सिंह तोमर सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

महिलाओं एवं बलिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों से अवगत कराया गया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में गुरुवार को नगर जोन के समस्त थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम व जागरूकता रैली में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में जागरुक किया गया ।

महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही "मिशन शक्ति 5.0" अभियान के अन्तर्गत नगर जोन के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

डीएम ने ईवीएम. एवं वीवी पैट वेयर हाउस का किया मासिक निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने आज ई.वी.एम. एवं वी.वी.पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सी.सी.टी.वी. कक्ष का निरीक्षण एवं लॉगबुक का अवलोकन किया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

जनपद के थाना प्रभारी ने फ्लैग मार्च कर त्यौहार को सकुशल संपन्न करने के लिए किया फ्लैग मार्च

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। आगामी त्यौहार होली एवं रमजान के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के कुशल निर्देशन में जनपद कौशाम्बी के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन एरिया डोमिनेशन, पैदल गश्त एवं फ्लैग मार्च किया गया।

करारी प्रभारी निरीक्षक सियाकांत चौरसिया द्वारा ग्राम सभा सालेपुर में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त/एरिया डोमिनेशन किया गया। गोकशी से संबंधित अपराधियों एवं हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन किया गया। तत्पश्चात ग्राम बरई बंधवा में पुलिस बल के साथ एरिया डोमिनेशन कर गांव में निवासरत अपराधियों/हिस्ट्रीशीटरों का भौतिक निरीक्षण किया गया तथा आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत कड़ी चेतावनी दी गई।

कड़ाधाम थाना प्रभारी त्रिलोकी नाथ पांडेय मय पुलिस बल एवं सीआरपी/अर्धसैनिक बल के साथ ग्राम गिरधरपुर गढ़ी, ताजमल्लाहन, सौरई बुजुर्ग, नौडिया, घड़ियालीपुर आदि गांवों में पैदल गश्त/फ्लैग मार्च किया गया। स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर होली व रमजान पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई तथा त्यौहार में खलल डालने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी गई।

थानाध्यक्ष सैनी धर्मेंद्र सिंह आरएएफ/थाना पुलिस द्वारा ग्राम कुरामुरीदन, कस्बा सिराथू एवं कस्बा अजुहा में एरिया डोमिनेशन किया गया। क्षेत्र में निवासरत अपराधियों/हिस्ट्रीशीटरों का भौतिक निरीक्षण कर उन्हें आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु सख्त हिदायत दी गई। द्वारा स्पष्ट किया गया कि कानून-व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। जनसामान्य से अपील है कि त्यौहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल 112 पर सूचना दें ।

त्योहार को लेकर की गई पीस कमेटी की बैठक, शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं त्यौहार-सीओ

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी । आगामी त्योहार होली के दृष्टिगत थाना पश्चिम शरीरा परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी मंझनपुर एवं क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी द्वारा की गई। बैठक में दोनों समुदायों के धर्मगुरुओं, ग्राम प्रधानों, संभ्रांत नागरिकों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। उपस्थित सभी सदस्यों से अपील की गई कि होली का पर्व आपसी सौहार्द, शांति एवं भाईचारे के साथ मनाया जाए तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग किया जाए।

बैठक के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से किसी भी प्रकार की भ्रामक, आपत्तिजनक अथवा अफवाह फैलाने वाली पोस्ट प्रसारित न करने एवं किसी भी अपुष्ट सूचना पर ध्यान न देने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि अफवाह फैलाने अथवा शांति व्यवस्था भंग करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

फर्जी दस्तावेजों के जरिए एक करोड़ से अधिक की ठगी करने वाली महिला गिरफ्तार

गोरखपुर। कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से धोखाधड़ी कर करोड़ों रुपये की ठगी करने के मामले में रामगढ़ताल थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर फूड कोर्ट संचालित कराने के नाम पर निवेश दिलाने का झांसा देकर लाखों नहीं बल्कि करोड़ से अधिक रुपये हड़पने का आरोप है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर द्वारा अपराध एवं आर्थिक धोखाधड़ी से जुड़े मामलों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह गिरफ्तारी की गई। पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी कैण्ट के पर्यवेक्षण में रामगढ़ताल थाना पुलिस ने मुकदमा संख्या 0846/2025 से संबंधित अभियुक्ता को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्ता की पहचान काजल निलेश कुमार दवे पुत्री निलेश कुमार दवे निवासी गणपति मंदिर रोड, थाना नन्दुरबार, जनपद नन्दुरबार (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है।

मामले में प्राप्त तहरीर के अनुसार अभियुक्ता एवं उसके सहयोगियों द्वारा फूड कोर्ट शुरू कराने के नाम पर आवेदक को निवेश के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान विश्वास में लेकर फर्जी एवं कूटरचित दस्तावेज तैयार किए गए और योजनाबद्ध तरीके से धोखाधड़ी कर कुल 1 करोड़ 58 लाख 4 हजार 114 रुपये की धनराशि गबन कर ली गई।

बाजारों में महिलाओं को किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन में जनपद फतेहपुर के विभिन्न थानों द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत महिलाओं/ बालिकाओं को साइबर अपराध, महिला सशक्तिकरण, नारी सुरक्षा, स्वावलंबन ,दहेज मृत्यु एवं अपहरण जैसी गंभीर घटनाओं को कम करने व अधिकारों के सम्बन्ध में शक्ति दीदियों, ऑगनवाड़ी कार्यकत्रियों और आशा बहुओं से समन्वय स्थापित कर गांव व स्कूलों में *बहू-बेटी सम्मेलन* का आयोजन कर महिलाओं, किशोरियों एवं परिवारों को कानूनी अधिकारों, मानसिक स्वास्थ्य, सुरक्षा तथा सरकारी योजनाओं व विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गयी । साथ ही स्कूलों एवं कॉलेजों में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को अपराध के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया । महिलाओं एवं बेटियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से ही इन सामाजिक अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है। इस आयोजन से महिला सशक्तिकरण को मिल रही नई गति ।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया यूजर्स को सख्त कंटेम्प्ट एक्शन की चेतावनी दी

सुपीरियर अदालतों पर ऑनलाइन गालियां हद पार करती हैं'

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया यूजर्स को ज्यूडिशियरी पर ऑनलाइन गालियां न देने की चेतावनी दी, जो फेयर कमेंट या किसी फैसले की सोची-समझी आलोचना के बचाव से आगे जाती हैं। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की बेंच ने कहा कि अगर कोर्ट अपने कंटेम्प्ट जूरिस्डिक्शन में ऐसे पोस्ट पर संज्ञान लेता है तो इसके सख्त कानूनी नतीजे होंगे।

कोर्ट ने कहा, "हम लोगों को भविष्य में सावधान रहने की याद दिलाना चाहते हैं, क्योंकि सोशल मीडिया पर ऐसे शब्द सकुर्लेट होते हैं, जो बहुत साफ तौर पर अपमानजनक होते हैं। साथ ही, जब भी हमारे कंटेम्प्ट जूरिस्डिक्शन में संज्ञान लिया जाता है तो कंटेम्प्ट करने वाले को कानून की सजा मिल सकती है, जिसे कोर्ट लगाने में संकोच नहीं करेगा।"

कोर्ट ने यह टिप्पणी इस बात पर गहरी चिंता के साथ कही कि बोलने की आजादी की आड़ में क्रिमिनल कंटेम्प्ट के मामले आजकल "सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा हैं"। बेंच ने कहा कि इस तरह के वर्चुअल गलत इस्तेमाल बोलने की आजादी की हद पार करते हैं।

मामला बस्ती डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में वकील हरि नारायण पांडेय के व्यवहार से जुड़े कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट्स एक्ट, 1971 की धारा 15 के तहत क्रिमिनल कंटेम्प्ट रेफरेंस पर विचार कर रही थी। बस्ती के तत्कालीन सिविल जज सीनियर डिवीजन अमित मिश्रा ने हाईकोर्ट को सन्दर्भ अधिवक्ता हरिनारायण पांडेय के खिलाफ आपराधिक अवमानना कार्यवाही चला कर उन्हें दंडित करने को भेजा था।

हालांकि कोर्ट ने आखिरकार पांडेय की बिना शर्त माफी मान ली, लेकिन उसने कहा कि बोलने की आजादी के नाम पर सोशल मीडिया पर क्रिमिनल कंटेम्प्ट के बहुत सारे मामले हैं, जो हद पार करते हैं। ये बातें कहने का मौका तब आया, जब हाईकोर्ट की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि क्रिमिनल कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट होना "रोजमर्रा की बात" बन गई है। बेंच ने अपने आदेश में कहा कि हाईकोर्ट के वकील की चिंता निश्चित रूप से गलत नहीं थी और इसमें बहुत समझदारी थी।

बेंच ने कहा कि हालांकि वह इस मुद्दे पर ज्यूडिशियल नोटिस नहीं ले रही है, क्योंकि इसके नतीजे होंगे, लेकिन वह सोशल मीडिया पर क्रिमिनल कंटेम्प्ट के बहुत सारे मामलों पर ज्यूडिशियल ध्यान दे रही है।

कोर्ट ने साफ-साफ कहा कि मीडिया पर की गई गाली-गलौज किसी भी तरह से सही कमेंट या किसी फैसले की सोची-समझी आलोचना के दायरे में नहीं आ सकती।

केस के मेरिट के बारे में बेंच ने कहा कि अवमानना करने वाला बेंच के सामने पेश हुआ और उसने अपनी बातों को सही नहीं ठहराया और माना कि जिस दिन यह बुरी घटना हुई, उस दिन वह अपने ही कारणों से बहुत परेशान था।

सपा हमेशा सनातन का सम्मान करती आई है –धर्मेन्द्र यादव

बोले – लोकतंत्र की नीव है पंचायत चुनाव, समय से कराने की मांग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के नेता, सांसद धर्मेन्द्र यादव ने पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से ही सनातन का सम्मान करती आई है। भाजपा ने देश में धर्म, संप्रदाय, जाति के नाम पर राजनीति करके देश के माहौल को खराब करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पंचायत लोकतंत्र की नीव होती है, इसलिए इसके चुनाव समय से होने चाहिए।

सपा सांसद अपने निजी सचिव अवधेश यादव के सुपुत्री की शादी सामारोह में उपस्थित हुए और नव दम्पति को आशीर्वाद दिया। सर्किट हाऊस में पार्टी कार्यकताओं से मुलाकात की।

मीडिया से बातचीत में भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए एसआईआर प्रक्रिया में हो रही धांधली पर भी सवाल खड़ा किया।

सपा नेता धर्मेंद्र यादव पार्टी के नेता शिवा केसरवानी, जितेंद्र यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष योगेश यादव, पूर्व अपर महाधिवक्ता कमल सिंह यादव,पूर्व सांसद धर्मराज पटेल, अरुण यादव, अनुपम रावत एवं सहसों निवासी अरविन्द केसरवानी के घर भी गए। इस मौके पर विधायक डॉ संग्राम यादव, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ़्तेखार हुसैन, पूर्व मंत्री अंसार अहमद, विजमा यादव, संदीप पटेल, लल्लन राय, कृष्ण मूर्ति सिंह, डॉ पूजा मिश्रा, दान बहादुर मधुर, हेमत टुन्नू, राघवेंद्र यादव, डीपी यादव, संदीप यादव पूर्व प्रमुख, पंकज पटेल, रविन्द्र यादव, दूधनाथ पटेल, शांति प्रकाश, मंसूर आलम, आदिल हमजा, कमला यादव, महबूब उस्मानी, आरएन यादव, मयंक यादव जोंटी, संतलाल वर्मा, सचिन यादव,वजीर खान,माशाहद, सऊद अहमद, सचिन श्रीवास्तव, अरुण यादव एडवोकेट, हरेकृष्ण ओझा, जय भारत यादव एडवोकेट, संगम लाल मौर्य, नाटे चौधरी, संजीव यादव, सुरेश कुमार, सुधीर निषाद, देवीलाल यादव, संतोष यादव, रोशनजहां सिद्दीकी, गुफरान, संजय यादव, रंग बहादुर पटेल, संगीता पटेल, आदि मौजूद रहे।

भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, महिला मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री काशी क्षेत्र वंदना सिंह सहित सभी पदाधिकारी हुए शामिल

2027 के लिए तैयार रहे महिला मोर्चा : बबीता सिंह चौहान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष एवं पार्टी की वरिष्ठ नेत्री बबीता सिंह चौहान भाजपा महिला मोर्चा के साथ बैठक करते हुए अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में कहा कि 2027 के लिए महिला मोर्चा तैयार रहे। उन्होंने कहा कि फार्म-6 भरने में अब जो शेष दिन बचे हैं उनका पूरा सदुपयोग करते हुए मोर्चा कार्यकत्रियां घर - घर जाकर नए वोटरों को जोड़ने का काम करें, खासकर महिला मतदाताओं पर ज्यादा फोकस करें और उन्हें केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताएं।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष एवं पार्टी की वरिष्ठ नेत्री बबीता सिंह चौहान ने कहा कि आज प्रदेश में कानून का राज है। महिलाएं बेटियां आज बिना किसी भय के बाहर निकलती हैं। अपराधियों के हौंसले पस्त हैं और यदि यही कानून व्यवस्था हम 2027 में भी चाहते हैं तो उसके लिए हमें अभी से लगना होगा। उन्होंने कहा कि फार्म 6 भरवाने को लेकर शिथिलता न बरतें। इसके साथ केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा पेश बजट 2026 के बारे में भी लोगों खासकर महिलाओं को बताएं कि डबल इंजन सरकार में उनके लिए संभावनाओं के द्वार खुले हैं। बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सभी लोग जनता तक पहुंचाएं। इस अवसर पर भाजपा प्रयागराज महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा, महिला मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री काशी क्षेत्र वंदना सिंह, महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष शिखा रस्तोगी, रीता सिंह, चंद्रा अहलूवालिया, आभा सिंह, कंचनलता कुशवाहा, शिखा खन्ना, कल्पना शर्मा, सुनीता श्रीवास्तव आदि महिला मोर्चा कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं।

भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार ने एसआईआर की समीक्षा की नए मतदाताओं जोड़ने पर दिया जोर

सबसे तेज प्रयागराज

मऊआइमा। गुरुवार को भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान द्वारा मंडल मऊआइमा (ग्रामीण)के बूथ संख्या 5 पर एसएसआई मतदाता पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत कई मतदाताओं का फॉर्मझ6 भरवाए गए।

इस अभियान के माध्यम से नए मतदाताओं का नाम जोड़कर

लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान ने कहा कि

बूथ स्तर पर कार्यकर्ता पूरी निष्ठा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ जन-जन को जागरूक कर उनके मताधिकार को सुनिश्चित करें

जागरूक मतदाता ही मजबूत लोकतंत्र की असली ताकत है। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी,आदेश पांडेय, विजय सिंह, राजू शुक्ला,युवराज सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ पूर्णेन्दु मिश्र के संयोजन में चलाया गया जागरूकता अभियान

बढ़ रहा जल संकट, संरक्षण को युवा आगे आये : रामबाबू

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय (सीएमपी) की राष्ट्रीय सेवा योजना के इकाई - 29 का एक दिवसीय कार्यक्रम विधि विभाग सीएमपी डिग्री कॉलेज में 'पर्यावरण स्वच्छता एवं सफाई विषय पर व्याख्यान एवं जागरूकता अभियान आज आयोजित किया गया। प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे के मार्गदर्शन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ पूर्णेन्दु मिश्र के संयोजन में जल प्रहरी राम बाबू तिवारी का व्याख्यान आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि आज वर्तमान समय में

जिस प्रकार से जल संकट बढ़ रहा है ऐसे में जल संचयन के प्रति युवाओं को आगे आने होगा। बुंदेलखंड क्षेत्र में तालाब संरक्षण संवर्धन से संबंधित विषय में बात रखी। जल जन को जोड़ने के लिए जल साक्षरता अभियान चलाने की बात कही। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े स्वयंसेवक को जल संचयन के प्रति जागरूक व कार्य करने की अपील किया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को प्रो शिव शंकर सिंह ने स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। व्याख्यान के पश्चात विधि विभाग परिसर की स्वयंसेवकों ने श्रमदान के माध्यम से साफ सफाई एवं कूड़ा इकट्ठा कर परिसर की सफाई किया।कार्यक्रम में विधि विभाग के संयोजक प्रो शिव शंकर सिंह, डॉ रमेश कुमार सिंह, डॉ अजय कुमार, डॉ आर डी किशोर, डॉ तुषार श्रीवास्तव,डॉ दिग्विजय श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे। धन्यवाद असिस्टेंट प्रो सत्यवान कुमार नायक ने दिया।

मध्य औषधि, पंचकर्म में शिरोधारा एंजायटी, डिप्रेशन के लिए अधिक प्रभावशाली : डॉ. अर्पिता सी राज

युवाओं में मानसिक समस्या, आयुर्वेद से समाधान विषय पर हुआ व्याख्यान

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इविवि एवं गवर्नमेंट आयुर्वेद चिकित्सालय प्रयागराज की ओर से विश्वविद्यालय प्रांगण में युवाओं में मानसिक समस्या एवं उनका आयुर्वेद से समाधान विषय पर टॉपिक "मेंटेनिंग मेंटल ओरा ऑफ यूथ" पर राजकीय आयुर्वेद प्रयागराज की डॉ. अर्पिता सी राज ने डिजिटल प्रेजेंटेशन करते हुए आज व्याख्यान प्रस्तुत दिया। डॉ. राज ने आज के परिवेश में युवाओं में बढ़ते स्ट्रेस,एंजायटी तथा डिप्रेशन तथा उसके फल स्वरुप सुसाइडल टेंडेंसीज उत्पन्न होने जैसे विषय को गंभीरता से लेते हुए आयुर्वेद की जीवन शैली तथा आहार विहार के अनुपालन का विस्तार से वर्णन किया गया। उन्होने बताया कि मुख्यतः इमोशनल, बायोलॉजिकल फैक्टर, टेक एडिक्शन, प्रदूषण, बढ़ते स्क्रीन टाइम, सोशल मीडिया में संलिप्तता, आभासी दुनिया से प्रभावित होना, अकेलापन इत्यादि होते हैं। आयुर्वेद में मध्य औषधि तथा पंचकर्म में शिरोधारा एंजायटी तथा डिप्रेशन के लिए अत्यधिक प्रभावशाली रिजल्ट्स देता है। इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन वूमेन स्टडी सेंटर की डायरेक्टर प्रो जया कपूर ने किया श। संयोजक डॉ.गुरपिंदर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत किया जबकि धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. रजनी ने किया। स्वास्थ्य शिविर में वार्ड बॉय शिव कुमार यादव ने निःशुल्क औषधि वितरण करते हुए छात्राओं को लाभान्वित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का चौथा दिवस

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। रामदुलारी बच्चू लाल जायसवाल महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के चौथे दिन की शुरूआत योग एवं प्राणायाम के साथ हुई। इसके पश्चात एन.एस.एस के वॉलिंटियर श्रेयांशी एवं आदर्श त्रिपाठी के द्वारा समाचार पत्रों का वाचन किया गया ।

इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने चाय नाश्ता करने के बाद पर्यावरण जागरूकता के अंतर्गत चयनित ग्राम पीथीपुर में जाकर लोगों को जागरूक किया। प्राथमिक विद्यालय पीथीपुर में जाकर छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। तथा स्वयंसेवकों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। तथा विद्यालय की साफ सफाई भी की गई ।प्रवक्ता रवि प्रकाश मौर्य ने छात्रों को पर्यावरण पर व्याख्यान भी दिया। शाम को स्वयंसेवकों ने विभिन्न खेलकूद में प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी प्रतिमा कुमारी, प्रवक्ता आशुतोष गुप्ता, शिविर संयोजिका सपना साहू , एन.एस.एस प्रभारी सोनू केसरवानी भी उपस्थित रहे।भोजन प्रबंधन में द्रौपदी मुर्मू समूह के स्वयंसेवकआकांक्षा,रेशमी ,अंजली ,अंबिका ,मीनाक्षी,शिवांशी ,मुस्कान ,शालिनी का योगदान कैंप में सराहनीय रहा।

तमंचा जिंदा कारतूस के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। थाना पूरामुफ्ती पुलिस द्वारा गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त अरशद पुत्र स्व0 अस्तफा नि0 उमरी थाना पूरामुफ्ती जनपद प्रयागराज, मो0 सादान पुत्र स्व0 बन्ने नि0 उमरी थाना पूरामुफ्ती जनपद प्रयागराज. मोहम्मद अशरफ पुत्र स्व0 अस्तफा नि0 उमरी थाना पूरामुफ्ती जनपद प्रयागराज को भरेठा से होमगार्ड ट्रेनिग सेन्टर के पास थाना क्षेत्र पूरामुफ्ती से गिरफ्तार किया गया तथा उनके कब्जे से 01 अवैध तमंचा .315 बोर , 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर व 07 जिन्दा कारतूस .12 बोर बरामद किये गए।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली टीम

संजीव कुमार चौधरी, चौकी प्रभारी बमरौली. उ0नि0 हंसराज सिंह, चौकी प्रभारी सल्लाहपुर. हे0का0 नागेन्द्र सिंह, थाना पूरामुफ्ती कमिश्नरेट प्रयागराज।

भांजी की बारात में शामिल होने आए मामा को अज्ञात वाहन ने कुचला, इलाज के दौरान मौत से मचा कोहराम

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। स्थानीय थाना क्षेत्र के रामगढ़ कोठारी में बारात में शामिल होने आए मामा की अज्ञात दो पहिया वाहन की टक्कर से मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार कमलाकांत पुत्र स्वर्गीय ईश्वर चंद्र निवासी सेवईत (मोहल्ला भुभुई) थाना सोरांव अपने बुआ के लड़के ओमप्रकाश पुत्र स्वर्गीय छोटेलाल निवासी इस्माइलपुर थाना सोरांव के साथ भांजी की शादी में शामिल होने बीती शाम रामगढ़ कोठारी आया था। इसी दौरान ओमप्रकाश नहर पुलिया के पास शौच के लिए गया, तभी पीछे से तेज रफ्तार अज्ञात दो पहिया वाहन ने टक्कर मार दी।टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि बाइक चालक बाइक सहित मौके से फरार हो गया। राहगीरों की मदद से घायल को एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही युवक ने दम तोड़ दिया। परिजनों की सूचना पर बहरिया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पीड़ित ओम प्रकाश की तहरीर पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ बहरिया पुलिस ने मुकदमा दर्ज करतें हुये मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष बहरिया ब्रजेश सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपी को बाइक सहित जल्द से जल्द गिरफ्तार करके मामले का खुलासा किया जायेगा।

एंटी करप्शन टीम ने एक लाख रिश्वत लेते दो लेखपालों को दबोचा

सोरांव तहसील क्षेत्र में दोनों की पहली पोस्टिंग थी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। एंटी करप्शन टीम ने गुरुवार को दोपहर दो लेखपालों को एक लाख रुपए रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। दोनों लेखपाल सोरांव तहसील क्षेत्र में कार्यरत हैं। महिला और पुरुष ये दोनों लेखपाल बाकायदा एक कमरे का ऑफिस बनाकर सारे कार्य वहीं निपटाते थे। रिश्वतखोरी में पकड़े गए दोनों लेखपाल की पहचान राजशेखर और जूही मिश्रा के रूप में हुई है। राजशेखर मलाक हरहर और जूही

आरोपी राजशेखर सिंह राजस्व लेखपाल तहसील सोरांव, प्रयागराज

आरोपी जूही मिश्रा राजस्व लेखपाल तहसील सोरांव, प्रयागराज

मिश्रा महरुडीह में लेखपाल नियुक्त हैं। पकड़े गए लेखपालों को एंटी करप्शन टीम शिवकुटी थाने ले जाकर लिखापढ़ी की। दोनों लेखपाल 2024 -25 बैच के हैं। सोरांव तहसील में उनकी यह पहली पोस्टिंग थी। राजशेखर फतेहपुर, जूही मिश्रा सुल्तानपुर की रहने वाली है। नवाबगंज थाना क्षेत्र के आनापुर स्थित लाई ग्राम निवासी अभय राज यादव पुत्र शंकर लाल ने एंटी करप्शन दफ्तर में शिकायती पत्र देते हुए बताया था कि लेखपाल कार्य के बदले रिश्वत की मांग कर रहे हैं। शिकायत के आधार पर एंटी करप्शन टीम ने रणनीति बनाई और दोनों लेखपालों को रिश्वत लेते रंगेहाथ धर दबोचा।

भूमि अधिग्रहण रोकने के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। गुरुवार को बहरिया ब्लाक के नारायणपुर और नीबी खुर्द के ग्रामीणों ने भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान को उपमुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान को बताया कि मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण के अंतर्गत आवासीय योजनाओं को विकसित करने के लिए बहरिया ब्लाक के नीबी खुर्द और नारायणपुर के काश्तकारों की जमीन अधिग्रहण की सूचना हमे समाचार पत्रों से मिली जिसे अधिकारियों द्वारा ये बताया जा रहा है कि दोनों गांवों के काश्तकारों से मिलकर उनकी अनुमति ली गई है किसान इससे सहमत हैं यह पूरी तरह से झूठ है। दोनों गांवों के लोग कृषि करके अपना जीवन यापन करते हैं हर हाल में यह अधिग्रहण रोका जाय। जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान ने उपमुख्यमंत्री से वार्ता कर अधिग्रहण रोकवाने का भरोसा दिया। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से धर्मेंद्र त्रिपाठी, नंदलाल भारतीय, संतबहादुर सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, राजमणि शुक्ला, सुरेन्द्र कुमार तिवारी, आदि मौजूद रहे।

टीईटी पर केन्द्र सरकार शीघ्र स्पष्ट करें अपना रूख : देवेन्द्र श्रीवास्तव

टीईटी के विरोध में शिक्षक सडक पर उतरे, जताया विरोध

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया (टीएफआई) के बैनर तले उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के साथ मान्यता प्राप्त संगठन जूनियर शिक्षक संघ व महिला शिक्षक संघ के बैनर तले टीईटी के विरोध में सडक पर बडी संख्या में उतरकर विरोध प्रदर्शन करते हुए पीएम नरेन्द्र मोदी को संबोधित ज्ञापन एडीएम आपूर्ति विजय को ज्ञापन सौपा।

बडी संख्या में परिषदीय शिक्षक एसएसए कार्यालय पर एकत्र हुए, जिससे कुछ ही देर में कार्यालय प्रांगण शिक्षकों से भर गया।शिक्षक सुप्रीम कोर्ट के द्वारा सभी शिक्षकों के लिये टीईटी अनिवार्यता के निर्णय के पश्चात केन्द्र सरकार द्वारा अपना रुख स्पष्ट ना करने के कारण शिक्षकों में भ्रम की स्थिति है। आक्रोशित शिक्षक कतारबद्ध होकर हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर डीएम कार्यालय के लिये कूच किया। धरने की अध्यक्षता कर रहे टीएफआई के संयुक्त महामंत्री और जिलाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के टीईटी अनिवार्यता निर्णय के पश्चात देश के लाखों शिक्षकों के सामने अपने रोजी- रोटी बचाने का संकट आ गया है परंतु आश्चर्य की बात है कि इतने महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर केन्द्र सरकार का रुख आज तक स्पष्ट नहीं है, जबकि कई प्रदेश की सरकारों ने इसके लिए पुनर्विचार याचिकाएं दाखिल की हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यदि सरकार अभी भी ना चेती तो, देश भर से लाखों शिक्षक मार्च के तीसरे सप्ताह में देश की राजधानी नई दिल्ली पहुंचकर धरना - प्रदर्शन करेंगे।

जूनियर शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष विनोद कुमार पाण्डेय ने कहा कि

ह्यशिक्षकों के अधिकारों को जिन - जिन सरकारों ने अतिक्रमित किया है उन सरकारों को सत्ता से जाना ही पड़ा है। अतः सरकार समय रहते चेत जाये।' महिला शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष श्रीमती अनुरागिनी सिंह ने कहा कि शिक्षकों द्वारा सरकार के हर कार्य में सहयोग किया जाता है, परन्तु जब सरकार शिक्षकों की मांगो की अव्हेलना करती है तो शिक्षक आक्रोशित होता है, जो कि सरकार के लिये घातक सिद्ध हो सकता है। इसलिय सरकार ससमय शिक्षक हित में निर्णय ले। जिलामंत्री शिव बहादुर सिंह ने कहा कि जब शिक्षक नियुक्ति के समय समस्त आर्हताएं पूर्ण कर नियुक्ति पाता है तब इस प्रकार के नए-नए नियमों को थोपना अनैतिक व अन्यायपूर्ण है। इसका हम सब शिक्षक विरोध करते है।

धरने में महामंत्री जूशि संघ राजेन्द्र अनुरागी, महामंत्री महिला शिक्षक संघ श्रीमती संगीता सिंह भदौरिया, कोषाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ मनीष तिवारी, विजय सिंह पटेल, श्रीमती अलका जायसवाल, अमर कुमार सिंह, अरुण कुमार श्रीवास्तव, राजेन्द्र कनौजिया, किरन सिंह, हरित जदली, राजेन्द्र कुशवाहा, एसपी सिंह, राधे कृष्ण, बालेन्द्र पाण्डेय, सुभाष यादव, सरोज सिंह पटेल, कृष्ण कान्त कुशवाहा, प्रेम चन्द्र पटेल, रवि शंकर द्विवेदी, डॉ हरिश चन्द्र यादव, सुधाकर द्विवेदी, दीप नरायण यादव, मनी लाल, अतीक अहमद, महेन्द्र सिंह, सुनीता तिवारी, सूबेदार सिंह, मनोज श्रीवास्तव, नागेन्द्र प्रताप सिंह, अमान उल्ला, दीपचन्द्र, मुचकुन्द मिश्रा, हसीब अहमद सिद्दीकी, अश्वनी वर्मा, अनुराग पाण्डेय, हेमन्त त्रिपाठी, चिन्तामणी त्रिपाठी, राजेन्द्र पाण्डेय, सरफराज अहमद, ब्रिजेश सिंह, रावेन्द्र नाथ मिश्र, शेखर शरण यादव, प्रवीण द्विवेदी, रामेन्द्र नाथ मिश्र, विनय सिंह, मनोज मिश्रा, कुलदीप सिंह, सूर्यकान्त सिंह, आलोक पाण्डेय, सुनील श्रीवास्तव, दिनेश मिश्रा, सुधीर पाण्डेय, जियाउद्दीन, गजाला, रमा शंकर पाण्डेय, मनोज श्रीवास्तव, अनुभव कनौजिया, ईशान्त राव, शैलेन्द्र दीपक, पवन कुमार वाजपेयी, मंजुल मिश्र, सर्वेश सिंह सहित बडी संख्या में शिक्षकों ने भाग लिया।

संपादकीय

बुजुर्गों की उपेक्षा और सुरक्षा का सवाल

समाज की सभ्यता और संवेदनशीलता का सबसे सटीक पैमाना यह है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। जिन्होंने जीवन भर परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया, वही लोग आज अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर उपेक्षा, अकेलेपन और असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। बदलती जीवनशैली, शहरीकरण और पारिवारिक संरचना में आए बदलावों ने बुजुर्गों की स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है।

बदलती पारिवारिक संरचना और बढ़ती दूरी

संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। युवा रोजगार और शिक्षा के कारण बड़े शहरों या विदेशों की ओर पलायन कर रहे हैं। परिणामस्वरूप, माता-पिता गाँवों या पुराने घरों में अकेले रह जाते हैं। तकनीकी रूप से जुड़े होने के बावजूद भावनात्मक दूरी बढ़ रही है। यह दूरी केवल भौतिक नहीं बल्कि मानसिक और सामाजिक भी है।

उपेक्षा के रूप

बुजुर्गों की उपेक्षा कई रूपों में दिखाई देती है–

भावनात्मक उपेक्षा: उनसे बातचीत न करना, उनकी राय को महत्व न देना।

आर्थिक उपेक्षा: उनकी आय या पेंशन पर निर्भर रहना, लेकिन उनकी आवश्यकताओं की अनदेखी करना।

स्वास्थ्य उपेक्षा: नियमित स्वास्थ्य जांच और देखभाल की कमी।

सामाजिक अलगाव: उन्हें निर्णयों और सामाजिक गतिविधियों से दूर रखना।

ऐसी उपेक्षा उनके आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाती है और मानसिक अवसाद, चिंता तथा असुरक्षा की भावना को जन्म देती है।

सुरक्षा का बढ़ता संकट

अकेले रहने वाले बुजुर्ग अपराधियों के आसान निशाने बनते जा रहे हैं। धोखाधड़ी, चोरी, संपत्ति हड़पने के प्रयास और घरेलू हिंसा जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं। डिजिटल युग में ऑनलाइन ठगी भी एक नई चुनौती बनकर उभरी है, जिसमें बुजुर्ग अक्सर जागरूकता के अभाव में फँस जाते हैं।

सामाजिक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव

उपेक्षा और असुरक्षा का बुजुर्गों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। अकेलापन अवसाद, स्मृति समस्याओं और जीवन के प्रति निराशा को जन्म दे सकता है। उन्हें यह महसूस होने लगता है कि वे परिवार और समाज पर बोझ हैं, जबकि वास्तव में वे अनुभव और ज्ञान के अनमोल भंडार होते हैं।

समाधान की दिशा में कदम

पारिवारिक संवेदनशीलता बढ़ाना

परिवार के सदस्यों को बुजुर्गों के साथ समय बिताना चाहिए, उनकी बात सुननी चाहिए और निर्णयों में उन्हें शामिल करना चाहिए।

सामुदायिक सहयोग तंत्र

स्थानीय स्तर पर वरिष्ठ नागरिक समूह, दिन देखभाल केंद्र और सामुदायिक कार्यक्रम बुजुर्गों को सामाजिक रूप से सक्रिय बनाए रख सकते हैं।

स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था

नियमित स्वास्थ्य जांच, आपातकालीन संपर्क व्यवस्था, और सुरक्षा अलार्म प्रणाली उनकी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती है।

दौलत की फाइलें, भरोसे के सवाल

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा के आईपीएस अधिकारियों की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक होने के बाद एक बार फिर प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिकता पर व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। जब जनता के सामने यह तथ्य आते हैं कि कानून-व्यवस्था संभालने वाले कई वरिष्ठ अधिकारियों के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति है–जमीन, प्लॉट, मकान, फार्महाउस या अन्य निवेश–तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में जिज्ञासा और सवाल दोनों पैदा होते हैं। यह सवाल केवल आंकड़ों का नहीं होता, बल्कि उस भरोसे का होता है जो जनता प्रशासन और शासन पर करती है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारी पद केवल अधिकार का प्रतीक नहीं होता, बल्कि वह जिम्मेदारी और नैतिक आचरण का भी प्रतीक होता है। विशेष रूप से पुलिस और प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारी राज्य की शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे कानून लागू करते हैं, अपराध पर नियंत्रण रखते हैं और आम नागरिक के अधिकारों की रक्षा करते हैं। ऐसे में जब उनकी आर्थिक स्थिति चर्चा का विषय बनती है, तो जनता यह समझना चाहती है कि यह संपत्ति किस प्रकार अर्जित हुई, क्या यह पूरी तरह वैधानिक है, और क्या इस पर निगरानी की कोई प्रभावी व्यवस्था मौजूद है।

संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करना निश्चित रूप से एक सकारात्मक कदम है। इससे शासन की पारदर्शिता बढ़ती है और नागरिकों को यह अधिकार मिलता है कि वे सत्ता से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकें। लोकतंत्र का मूल सिद्धांत भी यही है कि सत्ता जनता से छिपी हुई नहीं होनी चाहिए। भारत में कई वर्षों से यह परंपरा रही है कि वरिष्ठ सरकारी अधिकारी अपनी चल-अचल संपत्ति का विवरण सरकार को देते हैं। लेकिन जब यह जानकारी सार्वजनिक होती है, तब उसका महत्व और बढ़ जाता है क्योंकि तब समाज स्वयं भी उस पर नजर रख सकता है।

हालाँकि, केवल आंकड़े सामने आ जाने से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली प्रश्न यह है कि क्या इन विवरणों की गंभीरता से जांच भी होती है? क्या यह सुनिश्चित किया जाता है कि घोषित संपत्ति वास्तविकता से मेल खाती है? क्या आय के स्रोत पूरी तरह स्पष्ट हैं? यदि यह प्रक्रिया केवल एक औपचारिकता बनकर रह जाए तो पारदर्शिता का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। पारदर्शिता तभी सार्थक होती है जब उसके साथ जवाबदेही भी जुड़ी हो।

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि सरकारी सेवाओं में काम करने वाले सभी अधिकारियों को एक ही नजर से देखना उचित नहीं होगा। देश में अनेक ऐसे अधिकारी हैं जिन्होंने ईमानदारी, सादगी और सेवा भावना की मिसाल कायम की है। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने कर्तव्य से समझौता नहीं किया। कई अधिकारी ऐसे भी हैं जो वर्षों तक दूर-दराज के क्षेत्रों में काम करते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करते हैं। इसलिए किसी भी चर्चा को संतुलित दृष्टि से देखना आवश्यक है। कुछ मामलों के आधार पर पूरे तंत्र को दोषी ठहराना न्यायसंगत नहीं होगा।

लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि पिछले कुछ दशकों में प्रशासनिक तंत्र को लेकर जनता के मन में संदेह बढ़ा है। भ्रष्टाचार के कई मामलों ने लोगों का भरोसा कमजोर किया है। जब आम नागरिक रोजमर्रा के कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाता है, रिश्वत की शिकायतें सुनता है या व्यवस्था की जटिलताओं से जूझता है, तो उसके मन में यह भावना पैदा होती है कि कहीं न कहीं व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। ऐसे माहौल में जब बड़े पैमाने पर संपत्तियों की खबर सामने आती है, तो संदेह और गहरा हो जाता है।

यही कारण है कि संपत्ति के खुलासे को केवल समाचार की तरह देखने के बजाय इसे व्यवस्था को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए। सरकार और संबंधित संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि संपत्ति घोषणाओं की नियमित और स्वतंत्र जांच हो। यदि कहीं कोई विसंगति पाई जाती है तो उस पर निष्पक्ष कार्रवाई भी हो। इससे ईमानदार अधिकारियों का मनोबल भी बढ़ेगा और भ्रष्टाचार करने वालों के लिए स्पष्ट संदेश भी जाएगा।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि प्रशासनिक तंत्र में नैतिक मूल्यों को मजबूत किया जाए। कानून और नियम जरूरी हैं, लेकिन केवल नियमों के सहारे पूरी व्यवस्था नहीं चलती। अधिकारियों के भीतर सेवा की भावना, जिम्मेदारी का एहसास और सार्वजनिक जीवन की मयार्दा भी उतनी ही आवश्यक है। जब कोई व्यक्ति उच्च पद पर पहुँचता है तो समाज उससे सामान्य नागरिक की तुलना में अधिक अपेक्षाएँ रखता है। यह अपेक्षा केवल कार्यकुशलता की नहीं बल्कि चरित्र और आचरण की भी होती है।

मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों का दायित्व है कि वे तथ्यों को सामने लाएँ, लेकिन साथ ही जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत करें। किसी भी खबर को सनसनी बनाने के बजाय उसके व्यापक सामाजिक और प्रशासनिक संदर्भ को समझना भी जरूरी है। मीडिया यदि संतुलित और तथ्यपूर्ण चर्चा को आगे बढ़ाएगा तो समाज में स्वस्थ बहस का माहौल बनेगा।

साथ ही नागरिक समाज की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। लोकतंत्र केवल सरकार या अधिकारियों से नहीं चलता; इसमें जनता की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी होती है। यदि नागरिक जागरूक होंगे, सवाल पूछेंगे और पारदर्शिता की मांग करेंगे तो व्यवस्था स्वाभाविक रूप से अधिक उत्तरदायी बनेगी। सूचना का अधिकार जैसे कानून इसी सोच का परिणाम हैं, जिन्होंने शासन को अधिक खुला बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यह भी विचार करने योग्य है कि आज के समय में सरकारी सेवाओं में काम करने वाले अधिकारियों के सामने भी कई चुनौतियाँ हैं। लगातार बढ़ती अपेक्षाएँ, राजनीतिक दबाव, प्रशासनिक जटिलताएँ और सामाजिक परिवर्तन–इन सबके बीच काम करना आसान नहीं होता। इसलिए व्यवस्था को केवल आलोचना के दृष्टिकोण से देखने के बजाय सुधार के दृष्टिकोण से देखना अधिक उपयोगी होगा। यदि प्रशासन को मजबूत बनाना है तो उसे पारदर्शिता, प्रशिक्षण, तकनीकी सुधार और नैतिक नेतृत्व–इन सभी पहलुओं पर एक साथ ध्यान देना होगा।

डिजिटल युग में पारदर्शिता की संभावनाएँ और बढ़ गई हैं। यदि संपत्ति विवरण, प्रशासनिक निर्णय और वित्तीय प्रक्रियाएँ अधिक व्यवस्थित रूप से ऑनलाइन उपलब्ध हों तो भ्रष्टाचार की संभावनाएँ कम हो सकती हैं। कई देशों में यह व्यवस्था काफी प्रभावी साबित हुई है। भारत में भी इस दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

अंततः यह समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र का आधार केवल कानून नहीं बल्कि विश्वास होता है। जनता का विश्वास ही सरकार और प्रशासन को वैधता देता है। यदि यह विश्वास कमजोर पड़ता है तो व्यवस्था की नींव भी कमजोर हो जाती है। इसलिए हर वह कदम जो पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करता है, वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करता है।

हरियाणा के आईपीएस अधिकारियों की संपत्ति का मुद्दा भी इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह केवल कुछ नामों या आंकड़ों की कहानी नहीं है। यह उस रिश्ते का आईना है जो जनता और प्रशासन के बीच मौजूद है। यदि इस अवसर का उपयोग व्यवस्था को और पारदर्शी, जवाबदेह और नैतिक बनाने के लिए किया जाए, तो यह खबर केवल चर्चा का विषय नहीं बल्कि सकारात्मक बदलाव की शुरूआत भी बन सकती है।

लोकतंत्र में सवाल पूछना गलत नहीं होता; बल्कि वही व्यवस्था को जीवित रखता है। जरूरी यह है कि सवालों का जवाब भी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ दिया जाए। तभी जनता का भरोसा मजबूत होगा।

(डॉ. प्रियंका सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक हैं।)

क्लिक के दलदल में फँसा समाज: गालियों से ग्रोथ, शोर से शोहरत

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल दुनिया कभी ज्ञान, संवाद और रचनात्मकता की प्रयोगशाला मानी जाती थी। यह विश्वास था कि इंटरनेट लोकतंत्र को मजबूत करेगा, हाशिये पर खड़े लोगों को आवाज देगा और असली प्रतिभा को पहचान दिलाएगा। लेकिन आज जब हम स्क्रीन पर उँगली चलाते हैं, तो एक अलग ही सच सामने आता है। यहाँ हुनर से ज्यादा हंगामा बिकता है, विचार से ज्यादा विवाद और मेहनत से ज्यादा मीम। Facebook और Instagram जैसे मंचों पर वायरल होना सफलता की कसौटी बन चुका है। सवाल यह नहीं कि लोग मशहूर क्यों हो रहे हैं, सवाल यह है कि हम किस तरह की मशहूरी को पुरस्कार बना रहे हैं।

डिजिटल प्लेटफॉर्म का पूरा ढांचा ध्यान के व्यापार पर टिका है। जितनी देर आप स्क्रीन पर टिके रहेंगे, उतना अधिक मुनाफा पैदा होगा। इस गणित में शोर सबसे सस्ता और असरदार हथियार है। ऊँची आवाज, उग्र भाषा, भड़काऊ हावभाव और अति-नाटकीयता – यही वह मुद्रा है जिसे एल्गोरिद्म सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। जो व्यक्ति ठहराव से, तर्क से और संयम से बात करता है, वह भीड़ में गुम हो जाता है, जबकि तमाशा करने वाला मंच के बीचोंबीच बैठा होता है।

यह केवल कंटेंट की समस्या नहीं है, बल्कि प्रोत्साहन की है। जब प्लेटफॉर्म वही दिखाते हैं जो क्लिक दिलाता है, तो रचनाकार भी वही बनाने को मजबूर होता है। इस दौड़ में गुणवत्ता पीछे छूट जाती है और उत्तेजना आगे बढ़ती जाती है। धीरे-धीरे यह एक आदत बन जाती है, और आदत अंततः संस्कृति में बदल जाती है।

कभी हुनर का अर्थ था – अभ्यास, अनुशासन और धैर्य। आज हुनर का मतलब है ट्रेंड पकड़ लेना। कोई सड़क पर नाचकर मशहूर है, कोई गालियाँ देकर बोल्ड कहलाता है, कोई निजी जीवन को सार्वजनिक तमाशा बनाकर रियल होने का दावा करता है। असली प्रश्न यह नहीं कि ये लोग क्यों देखे जा रहे हैं, बल्कि यह है कि समाज किस तरह के आदर्श गढ़ रहा है।

यह नया मापदंड युवाओं के मन में एक खतरनाक संदेश बैठा रहा है – कि शॉर्टकट ही सफलता है। अगर आप शांत हैं, तो आप उबाऊ हैं। अगर आप गहरे हैं, तो आप अप्रासंगिक हैं। यह सोच न केवल कला और ज्ञान का अपमान है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी जहरीली है। युवा खुद को लगातार तुलना के आईने में देखने को मजबूर है, जहाँ आत्मसम्मान लाइक्स और व्यूज की संख्या से तय होता है।

डर इस बात का है कि आने वाली पीढ़ी किताबें ज्ञान के लिए नहीं, बल्कि कंटेंट के लिए पढ़े। इतिहास, साहित्य और दर्शन अब सीखने के साधन नहीं, बल्कि विवाद पैदा करने की सामग्री बनते जा रहे हैं। लंबी सोच, संदर्भ और नैतिकता – इन सबको बोरिंग कहकर किनारे किया जा रहा है। जबकि सच यह है कि ज्ञान कभी त्वरित नहीं होता। वह समय मांगता है, धैर्य मांगता है और असहज सवालों से जूझने की ताकत मांगता है।

आज सच बोलने वाले के पास अक्सर सन्नाटा होता है। उसकी बातों में सनसनी नहीं होती, उसके निष्कर्ष तुरंत तालियाँ नहीं बटोरते। दूसरी ओर, तमाशा करने वालों के पास मेला होता है – लाइक्स, शेयर, फॉलोअर्स और ब्रांड डील्स। यह असंतुलन खतरनाक है, क्योंकि समाज शोर से नहीं, संवाद से आगे बढ़ता है। जब संवाद की जगह शोर ले लेता है, तो बहस तमाशा बन जाती है और असहमति दुश्मनी। युवावर्ग इस पूरे परिदृश्य में सबसे ज्यादा उलझन में है। एक ओर रोजगार की अनिश्चितता, दूसरी ओर डिजिटल चमक का झूठा वादा। उसे बताया जा रहा है कि पहचान पाने का सबसे तेज रास्ता विवाद है। मेहनत, अध्ययन और धैर्य – ये सब धीमे रास्ते हैं, जबकि दुनिया तुरंत नतीजे चाहती है। इस जल्दबाजी की कीमत युवा थकान, अकेलेपन और अंदरूनी खालीपन के रूप में चुका रहा है।

अक्सर यह मान लिया जाता है कि प्लेटफॉर्म तटस्थ हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि एल्गोरिद्म नैतिक नहीं होते। वे केवल लक्ष्य देखते हैं, और लक्ष्य है – अधिक समय, अधिक ध्यान। इसलिए वे वही दिखाते हैं जो हमें बाँधे रखे, चाहे वह नफरत हो, झूठ हो या खोखला मनोरंजन। ऐसे में ज़िम्मेदारी केवल प्लेटफॉर्म की नहीं, हमारी भी है। हम जो देखते हैं, वही बढ़ता है। हम जिसे साझा करते हैं, वही फैलता है।इस सर्कस से बाहर निकलने का रास्ता कोई त्वरित समाधान नहीं है। यह एक धीमी लेकिन जरूरी क्रांति है। डिजिटल साक्षरता, गहरी सामग्री को सम्मान, ईमानदार रचनाकारों का समर्थन और अपने देखने-साझा करने के चुनावों के प्रति सजगता – यही वह रास्ता है जिससे दिशा बदली जा सकती है। असहमति को शालीनता के साथ जगह देना और तर्क को ट्रोलिंग पर तरजीह देना भी इसी प्रक्रिया का हिस्सा है।

डिजिटल संसार का सर्कस बन जाना महज एक टिप्पणी नहीं, बल्कि चेतावनी है। सर्कस मनोरंजन देता है, दिशा नहीं। समाज को दिशा चाहिए – ज्ञान से, विवेक से और नैतिक साहस से। अंततः सवाल युवाओं से ही है: आप इस मेले का हिस्सा बनना चाहते हैं, या उस सन्नाटे के गवाह – और वाहक – जो सच के लिए जरूरी है?

फैसला आज का है, असर आने वाले कल पर पड़ेगा। शोर आसान है, अर्थ गढ़ना कठिन। लेकिन इतिहास हमेशा उन लोगों को याद रखता है, जिन्होंने कठिन रास्ता चुना।

(डॉ. सत्यवान सौरभ, पीएचडी (राजनीति विज्ञान), एक कवि और सामाजिक विचारक है।)

सत्ता के शिखर पर सड़ती नैतिकता: एपस्टीन फाइल्स और सफेदपोश दरिंदगी

दिलीप कुमार पाठक

आज जब हम सभ्यता के शिखर पर होने का दंभ भरते हैं, तब जेफरी एपस्टीन जैसी फाइलें हमारे सामूहिक विवेक पर एक गहरा घाव दे जाती हैं। एपस्टीन फाइल्स केवल कुछ नामों की सूची नहीं है, बल्कि यह उस सड़ी-गली मानसिकता का कच्चा चिट्ठा है, जो सत्ता, पैसे और रसूख के नशे में अंधे होकर मानवता को शर्मसार करती रही है। यह मामला दिखाता है कि कैसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोग–चाहे वे राजनीतिज्ञ हों, व्यवसायी हों या वैज्ञानिक–एक ऐसे घृणित चक्र का हिस्सा थे, जहाँ मासूमियत का व्यापार होता था। वैश्विक परिदृश्य में देखें तो एपस्टीन का द्वीप लिटिल सेंट जेम्स आधुनिक युग के नरक जैसा था। अमेरिका से लेकर यूरोप तक के बड़े-बड़े नाम इस दलदल में फँसे नजर आते हैं। अमेरिकी अदालती दस्तावेजों और जांच रिपोर्टों के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू, डोनाल्ड ट्रम्प, वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग और अरबपति बिल गेट्स जैसे रसूखदार व्यक्तियों के नाम इस प्रकरण से जुड़ने से पूरी दुनिया सन्न रह गई। यह कड़वा सच केवल सात समंदर पार तक सीमित नहीं है; जांच की आंच ने भारत के गलियारों को भी छुआ है। विदेशी मीडिया और अदालती फाइलों में कुछ रसूखदार भारतीय नामों का उल्लेख होना इस बात का प्रमाण है कि इस वैश्विक पाप के तार हमारे समाज के रसूखदारों से भी जुड़े थे। यह स्वीकार करना पीड़ादायक है कि जिस भारत ने दुनिया को नैतिकता सिखाई, उसके कुछ प्रभावशाली चेहरे भी उस घृणित नेटवर्क का हिस्सा होने के संदेह के घेरे में आए हैं।

भारत के परिदृश्य में यदि हम इस घटनाक्रम को देखें, तो यह हमारे लिए एक गंभीर चेतावनी है। भारत, जो अपनी संस्कृति में यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते का उद्घोष करता है, आज वहां भी पश्चिमी विकृतियों का प्रभाव बढ़ रहा है। एपस्टीन जैसी फाइलें हमें आईना दिखाती हैं कि एलीट क्लास के नाम पर हम किस ओर जा रहे हैं। भारत में भी अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं जहाँ रसूखदार लोग कानून को ठेंगा दिखाकर जघन्य अपराधों से बच निकलते हैं। एपस्टीन फाइल्स हमें सतर्क करती हैं कि यदि हमने अपनी नैतिक जड़ों को नहीं संभाला, तो धन का अहंकार हमारी आने वाली पीढ़ियों को भी लील जाएगा। यह संकट केवल कानूनी नहीं, बल्कि गहरे नैतिक पतन का संकेत है। जब समाज का अभिजात वर्ग अपनी वासनाओं की पूर्ति के लिए मासूम बच्चों का शिकार करने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि हमारी प्रगति का ढांचा खोखला हो चुका है। यह घृणित मानसिकता उस सोच से पैदा होती है जहाँ पैसा इंसान को भगवान और दूसरों को मात्र वस्तु बना देता है। विडंबना यह है कि इनमें से कई लोग दुनिया को नैतिकता और विकास का पाठ पढ़ाते थे, जबकि उनका अपना आचरण अंधकारमय था। क्या हम ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहाँ न्याय केवल गरीबों के लिए है और अमीरों के लिए प्राइवेट आइलैंड पर अपराध की खुली छूट? हमें अपनी न्याय व्यवस्था और सामाजिक ढांचे को इतना पारदर्शी बनाना होगा कि कोई भी रसूखदार खुद को कानून से ऊपर न समझे। यदि आज हम इन सफेदपोश अपराधियों के खिलाफ खड़े नहीं हुए, तो आने वाला इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। मासूमों की सुरक्षा और समाज की शुचिता बनाए रखना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

नैतिकता के आधार पर यह घृणित मानसिकता एक मानसिक बीमारी है। यह उस उपभोगवादी संस्कृति का चरम है, जहाँ मनुष्य को वस्तु समझा जाने लगता है। जब कोई व्यक्ति इतना शक्तिशाली हो जाता है कि उसे लगने लगे कि वह कानून से ऊपर है, तब मानवता का पतन निश्चित है। एपस्टीन के द्वीप पर जो हुआ, वह केवल देह का शोषण नहीं था, वह विश्वास, बचपन और आत्मा का सामूहिक कत्ल था। उन मासूम लड़कियों की चीखें उन आलीशान महलों की दीवारों में दफन हो गईं, जिनका निर्माण कथित सभ्य समाज के नायकों ने किया था। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल वह नहीं है जो एपस्टीन ने किया, बल्कि अपराध वह भी है जो उन रसूखदारों ने मौन रहकर किया। चुप्पी भी एक अपराध है, विशेषकर तब जब वह चुप्पी किसी मासूम की गरिमा की कीमत पर खरीदी गई हो। आज दुनिया को इन फाइलों के माध्यम से उन चेहरों को पहचानना होगा जो दिन के उजाले में परोपकारी होने का ढोंग करते हैं और रात के अंधेरे में मानवता को नीलाम करते हैं। समय आ गया है कि न्याय केवल फाइलों में बंद न रहे, बल्कि उन सभी लोगों को बेनकाब किया जाए जिन्होंने सत्ता के गलियारों को शोषण का अड्डा बनाया। समाज को यह तय करना होगा कि हमारे नायक कौन होंगे?

बीजेपी से नाराज ब्राह्मणों पर सभी दलों का दांव

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बीस साल लंबा वक्त होता है. इतने समय में चेहरे बदलते हैं, नारे बदलते हैं, गठबंधन टूटते-बनते हैं, लेकिन कुछ बुनियादी सच जस के तस रहते हैं. जाति, सामाजिक संतुलन और सत्ता तक पहुंचने की जद्दोजहद. साल 2007 में जिस सोशल इंजीनियरिंग ने सत्ता का ताला खोला था, करीब दो दशक बाद वही प्रयोग बदले पैकेज में फिर लौटता दिख रहा है. फर्क बस इतना है कि अब हालात ज्यादा जटिल हैं, मतदाता ज्यादा सजग हैं और सियासी खिलाड़ी एक-दूसरे की चाल पहले से बेहतर समझते हैं.2027 के विधानसभा चुनाव को अभी वक्त है, लेकिन मैदान अभी से सज चुका है. हर दल अपने-अपने स्तर पर उस वोट बैंक की तलाश में है, जो सत्ता की सीढ़ी का आखिरी पायदान बन सकता है. इस पूरी कवायद के केंद्र में एक बार फिर ब्राह्मण वोटर आ खड़ा हुआ है. उत्तर प्रदेश की आबादी में करीब बारह फीसदी हिस्सेदारी रखने वाला यह वर्ग लंबे समय से किसी एक पार्टी का स्थायी वोट बैंक नहीं रहा. कभी सत्ता के साथ, कभी असंतोष में, कभी खामोशी से और कभी मुखर होकर इस वर्ग ने सियासत की दिशा बदली है. करीब उन्नीस साल पहले बहुजन राजनीति की अगुआ मायावती ने दलित-ब्राह्मण गठजोड़ का जो प्रयोग किया था, उसने यह साबित कर दिया था कि अगर सामाजिक समीकरण सधे हों तो सियासी गणित ध्वस्त भी हो सकता है. 2007 की जीत उसी प्रयोग की देन थी. लेकिन समय के साथ वही फार्मूला कमजोर पड़ता गया. दलित-मुस्लिम समीकरण आजमाया गया, फिर दोबारा ब्राह्मणों की ओर हाथ बढ़ाया गया, लेकिन बीएसपी का जनाधार सिमटता चला गया. 2022 में पार्टी एक सीट पर आ गई. यह गिरावट खुद बताती है कि सिर्फ नारे और प्रतीक काफी नहीं होते, जमीन पर भरोसा भी चाहिए.इसी बदले हुए माहौल में सोशल इंजीनियरिंग 2.0 की चर्चा शुरू हुई है. इस बार प्रयोग सिर्फ एक दल नहीं कर रहा.

समाजवादी पार्टी, बीएसपी, बीजेपी और उनके सहयोगी सभी अपने-अपने तरीके से ब्राह्मण वोटर की नब्ज टटोल रहे हैं. फर्क यही है कि अब दलित वोटर को केंद्र में रखने के बजाय कई जगह ओबीसी वोटर को मुख्य धुरी बनाया जा रहा है और ब्राह्मण को उसके साथ जोड़ने की कोशिश हो रही है.

इस पूरी सियासत में सबसे दिलचस्प और आक्रामक एंट्री हुई है सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की. पार्टी के मुखिया ओम प्रकाश राजभर ने आजमगढ़ से जो संदेश दिया है, वह सिर्फ एक रैली भर नहीं है. आजमगढ़ वही इलाका है, जिसे समाजवादी पार्टी का अभेद्य किला माना जाता रहा है. यहां से मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव सांसद रह चुके हैं. आज भी जिले की सभी विधानसभा सीटों पर समाजवादी पार्टी का कब्जा है. ऐसे इलाके में ब्राह्मणों की बड़ी रैली करना सीधे तौर पर सपा के सामाजिक आधार को चुनौती देना है.राजभर की रैली में ब्राह्मण समाज के सम्मान की बात हुई, परशुराम और सुहेलदेव के नारे लगे, यूजीसी के नए नियमों से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक के मुद्दे उठे. संदेश साफ था कि यह सिर्फ भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि पढ़े-लिखे, नौकरीपेशा और प्रभावशाली ब्राह्मण वर्ग को भरोसा देने की कोशिश है. मंच से यह भी जताया गया कि न्याय और सम्मान की लड़ाई में सरकार और अदालत दोनों दरवाजे खुले हैं. यह भाषा सीधे उस वर्ग से संवाद करती है। जो खुद को दिशा देने वाला मानता है।

पास्को एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह थाना लालौली पुलिस पास्को एक्ट के मामले में वांछित एक आरोपी को गुरुवार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थाना लालौली पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त हरिओम पुत्र उमेश ग्राम करैहा डेरा थाना लालौली जनपद फतेहपुर उम्र 24 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

ईंट मारकर भाभी की हत्या, छत से कूदकर भागा आरोपित

बागपत।

उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में एक देवर ने अपनी भाभी की ईंटों से पीट-पीट कर हत्या कर दी। दो साल पहले ही महिला की शादी हुई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

घटना खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र के सांकरोद गांव की है, जहां बुधवार की देर शाम साहिल नाम के एक व्यक्ति ने अपनी भाभी चंचल के सिर में ईंट मारकर हत्या कर दी। साहिल अपने तीन भाइयों में दूसरे नम्बर का था, जिसने अपने बड़े भाई नवीन की पत्नी की हत्या की है। घटना के समय नवीन अपनी दुकान पर था। नवीन की शादी 2 वर्ष पहले चंचल के साथ हुई थी जिसको चार माह की बच्ची भी है। गांव निवासी मनोज ने बताया है कि साहिल शराब के नशे में था। किसी बात को लेकर उसका अपनी भाभी से विवाद हो गया। विवाद में शाहिल ने भाभी के सिर में ईंट मार दी जिससे उसकी मौत हो गयी। खेकड़ा कोतवाली प्रभारी प्रभाकर कैंतुरा ने बताया कि देवर ने अपनी भाभी की हत्या की है। जिसको गिरफ्तार कर लिया है। मृतक चंचल का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

फरूर्खाबाद जिले का नाम बदलने को 21 हजार लोगों ने किया हस्ताक्षर

फरुर्खाबाद।

हिंदू समाज पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई ने जनपद फरूर्खाबाद का नाम बदलकर ऐतिहासिक एवं पौराणिक नाम ह्यपांचाल नगरह्ल किए जाने की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान चलाया। बुधवार को औपचारिक रूप से अभियान समाप्त कर दिया गया।

अभियान के समापन की घोषणा कटरा स्थित एक धर्मशाला में आयोजित पत्रकार वार्ता में की गई। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अंकित तिवारी ने बताया कि अभियान को आम जनमानस का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। उनके अनुसार, कुल 21 हजार 850 नागरिकों ने हस्ताक्षर कर नाम परिवर्तन के प्रस्ताव का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि होली पर्व के उपरांत पार्टी पदाधिकारी जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों से भेंट कर हस्ताक्षरित पत्रों की छायाप्रति तथा नाम संशोधन का औपचारिक प्रस्ताव सौंपेंगे।

हमीरपुर में उपजिलाधिकारी ने 12 ओवरलोड ट्रक किये सीज

हमीरपुर।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मौदहा क्षेत्र में बुधवार को अवैध खनन और ओवर लोडिंग के खिलाफ चलाए गए अभियान में एक दर्जन ओवरलोड ट्रकों को पकड़ कर स्थानीय गल्ला मण्डी में खड़ा कराया गया है।

खेती को मिलेगी एआई की ताकत, 'एनकोश किसान एआई' लॉन्च

कानपुर।

कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को नई दिशा देते हुए छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के छत्रपति शाहू जी महाराज इनोवेशन फाउंडेशन (सीएसजेएमआईएफ) और एग्रीटेक कंपनी एनकोश ने संयुक्त रूप से ह्यएनकोश किसान एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह किसान-केंद्रित डिजिटल पहल खेत स्तर पर त्वरित, सटीक और व्यवहारिक सलाह उपलब्ध कराएगी। यह बातें बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कही।

कुलपति ने कहा कि यह पहल विश्वविद्यालय के नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व मॉडल को मजबूत करती है। इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप तकनीक को समाज से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एनकोश किसान एआई 11 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है, जिससे किसान अपनी मातृभाषा में फसल प्रबंधन, उर्वरक उपयोग, रोग व कीट नियंत्रण और बाजार रणनीति से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि भाषा की बाधा हटने से तकनीक की पहुंच गांव-गांव तक सुनिश्चित होगी।

यह एआई प्लेटफॉर्म बोवाई से लेकर कटाई तक डिजिटल मार्गदर्शन प्रदान करेगा। इसमें फसल चयन, बीज बोवाई, उर्वरक व कीटनाशक की उचित मात्रा, रोग पहचान, मौसम आधारित रणनीति और कटाई योजना शामिल है। साथ ही मंडी भाव और बाजार अपडेट की सुविधा से किसानों को बेहतर मूल्य निर्धारण में मदद मिलेगी।

परियोजना से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार मॉडल को वास्तविक खेतों में परीक्षण और किसानों के फीडबैक के आधार पर विकसित किया गया है। डेयरी, बागवानी, पुष्पोत्पादन और किचन गार्डनिंग जैसे क्षेत्रों में भी इसके उपयोग की संभावनाएं हैं।

डेवलपर्स ने बताया कि अगले चरण में व्हाट्सएप इंटीग्रेशन, वॉइस कॉल सपोर्ट, कैमरा आधारित फसल रोग पहचान, मिट्टी जांच इंटीग्रेशन और विशेषज्ञ एग्रोनॉमिस्ट परामर्श जैसी सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

प्रारंभिक चरण में 50 हजार से अधिक किसानों तक इस तकनीक को पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ ने लगाई फांसी

मीरजापुर।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में जिगना थाना क्षेत्र के कुशहां गांव के मवैया मजरा में बुधवार रात एक अधेड़ ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं जारी है।

गांव निवासी 42 वर्षीय कमलेश पुत्र स्वर्गीय गुलाब का शव उसके घर के कमरे में गाटर के हुक से गमछे के सहारे लटकता मिला। परिजनों के अनुसार काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो शक हुआ। रौशनदान से झांककर देखा गया तो कमलेश का शव लटका देख परिवार वालों के होश उड़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतरवाया।

कमलेश मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था। वह अपने पीछे पत्नी हीरावती, 17 वर्षीय बेटी करिश्मा और पांच वर्षीय बेटा प्रियांशु को छोड़ गया है। पति का शव देखते ही पत्नी की चीख निकल गई और घर में कोहराम मच गया। मृतक चार भाइयों में सबसे छोटा बताया गया है।

घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चचाएं हैं, हालांकि आत्महत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। बड़े भाई कृष्ण कुमार की तहरीर पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रभारी थानाध्यक्ष आत्माराम ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने लगाई फांसी

कानपुर।

उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के बिधनू थाना क्षेत्र में एक युवक ने बहन के घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय वह घर पर अकेला था जबकि परिवार के बाकी सदस्य शादी समारोह में शिरकत करने गए थे। देर रात जब सब लौटे तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पड़ताल में जुट गई है। मूलरूप से झारखंड के देवघर का

रहने वाला गणेश यादव (20) पिछले एक साल से बिधनू के ओरियारा गांव में अपनी बहन पम्मी के घर में रहकर एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था जबकि उसके पिता पूरन यादव और बड़ा भाई मुकेश झारखंड में ही रहते हैं। बहन पम्मी ने बताया कि परिवार में शादी थी। सभी लोग शादी में शामिल होने गए थे लेकिन गणेश ने शादी में जाने से इनकार कर दिया था। इसलिए वह घर पर अकेला था। देर रात जब सभी लोग घर वापस लौटे तो उसका शव कमरे में पंखे के कुंडे से झूल रहा था।

जिसे देख सभी के होश उड़ गए। आनन फानन में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बेजुबान पशु से क्रूरता पर सख्त कार्रवाई, दो आरोपित गिरफ्तार

बांदा।

उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अपराधियों पर शिकंजा कसने के अभियान के तहत थाना कोतवाली नगर पुलिस ने बेजुबान पशु के साथ क्रूरता करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से उन्हें जिला कारागार भेज दिया गया।

दरअसल, 23 फरवरी को सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था, जिसमें दो व्यक्ति एक निरीह पशु के साथ बेरहमी से मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे थे। इस अमानवीय घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

चौकी प्रभारी अतर्रा चुंगी उत्कर्ष सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपियों की पहचान की गई और तत्परता दिखाते हुए दोनों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए अपराधियों में महावीर पुत्र लोटन, निवासी ग्राम बड़ोखर खुर्द, थाना कोतवाली नगर, बांदा व अख्तर पुत्र बाविद, निवासी ग्राम बड़ोखर खुर्द, थाना कोतवाली नगर, बांदा शामिल है।गिरफ्तारी के बाद दोनों अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने गुरुवार को स्पष्ट करते हुए कहा कि बेजुबान पशुओं के साथ किसी भी प्रकार की क्रूरता या अमानवीय व्यवहार को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सहायक पुलिस अधीक्षक श्लोक गौतम ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी पशुओं के साथ क्रूरता या कोई अपराध होता दिखे, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा

मानव जीवन की सुरक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहते हैं बचाव कर्मी - उप महानिरीक्षक

वाराणसी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी के चौकाघाट स्थित मुख्यालय में एनडीआरएफ के बचावकर्मियों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने महत्वपूर्ण बिंदुओं को साझा किया। उप महानिरीक्षक मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि वर्ष भर आपातकालीन परिस्थितियों की भयावहता हो या त्योहारों का उल्लास, मानसून की तेज बौछारें हों या शीत ऋतु की कठोरता– एनडीआरएफ के बचावकर्मी अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की परवाह किए बिना हर परिस्थिति में मानव जीवन की सुरक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहते हैं।

उप महानिरीक्षक ने कहा कि

बचाव कार्मिकों की अत्यंत कठिन एवं चुनौतीपूर्ण कार्यप्रणाली को ध्यान में रखते हुए मानसिक स्वास्थ्य पर केंद्रित जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

तेज रफ़्तार कार पेड़ से टकराई,तीन युवकों की मौत

रायबरेली।

उत्तर प्रदेश के रायबरेली में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई,जिसमें कार सवार तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जगतपुर थाना क्षेत्र के दौलतपुर निवासी धनंजय सिंह (32), अलीगंज डिगवा निवासी आशुतोष (35) और परिहरी गांव निवासी संदीप (35) आपस में घनिष्ठ मित्र थे। तीनों बुधवार शाम कार से रायबरेली शहर आए थे। शहर में जरूरी काम निपटाने के बाद वे वापस देर रात जगतपुर की ओर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी कार फतेहपुर मोलिया के पास पहुंची, अचानक वाहन अनियंत्रित हो गया। कार की रफ्तार काफी तेज थी, जिससे वह सीधे सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पेड़ से टकराने के बाद सड़क किनारे बने गड्ढे में जा घुसी और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

राहगीरों ने जब हादसे को देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जगतपुर पहुंचाया।

25 हजार का इनामी गौ-तस्कर मुठभेड़ में गिरफ्तार

मीरजापुर।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर स्थित राजगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार रात पुलिस और गौ-तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान 25 हजार का इनामी वांछित गौ-तस्कर मेहंदी हसन उर्फ लल्लू नट को गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा घोषित इनामी आरोपित मेहंदी हसन थाना राजगढ़ पर पंजीकृत मु0अ0सं0-30/2026 धारा 3/5ए/8 गौवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम में वांछित चल रहा था। अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी ऑपरेशन के नेतृत्व में थाना राजगढ़ व एसओजी/सर्विलांस की संयुक्त टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपित संतनगर क्षेत्र से गौवंश की खरीद-फरोख्त कर मोटरसाइकिल से सक्तेशगढ़ की ओर जा रहा है।

तलेर जंगल सेमरी के पास संदिग्ध बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया गया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मेहंदी हसन के बांए पैर में गोली लगी। उसे पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत सामान्य बताई गई है।

प्रभारी निरीक्षक राजगढ़ वेद प्रकाश पांडेय ने बताया कि मौके से एक तमंचा 315 बोर, एक खोखा, दो जिंदा कारतूस, मोटरसाइकिल तथा 50,500 नकद बरामद किए गए हैं। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आईजीआरएस निस्तारण में झांसी अव्वल, प्रभारी सम्मानित

झांसी।

आईजीआरएस प्राप्त शिकायती पत्रों का समय पर गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण करने पर झांसी जिले को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इस पर बुधवार को एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने झांसी जिले में आईजीआरएस प्रभारी के कार्य की प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

शासन की मंशा के अनुरूप प्रदेश में पारदर्शी, जवाबदेह एवं प्रभावी शिकायत निवारण प्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से संचालित आईजीआरएस (Integrated Grievance Redressal System) के माध्यम से प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का जनपद झाँसी पुलिस द्वारा निर्धारित समयसीमा के अंतर्गत तथ्यपरक, गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

जनपद स्तर पर प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा, प्रभावी मॉनिटरिंग तथा उत्तरदायित्व निर्धारण की सुदृढ़ व्यवस्था के फलस्वरूप मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जनवरी 2026 में जारी आईजीआरएस रैंकिंग में जनपद झाँसी को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

उल्लेखनीय है कि जनपद के समस्त 26 थानों द्वारा भी उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करते हुए प्रथम स्थान अर्जित किया गया है, जो कि जनपद पुलिस की समन्वित एवं परिणामोन्मुख कार्यप्रणाली का द्योतक है।

उक्त उपलब्धि के उपलक्ष्य में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झाँसी बीबीजीटीएस मूर्ति द्वारा आईजीआरएस प्रभारी बलिराज शाही को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा समस्त थाना प्रभारियों एवं संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रशंसा प्रदान की गई।

जनपद झाँसी पुलिस शासन की अपेक्षाओं के अनुरूप जनसुनवाई एवं शिकायत निस्तारण प्रणाली को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाए रखने हेतु सतत प्रतिबद्ध है।

फतेहपुर में शार्ट सर्किट से रेडीमेड दुकान में लगी आग, लाखों रुपए के कपड़े जले

फतेहपुर।

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में रेडीमेड कपड़े की गारमेंट्स की एक दुकान में गुरुवार की सुबह बिजली की शार्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने के बाद आसपास के लोगों की भारी भीड़ लग गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दुकान में रखे लाखों के कपड़े जल कर राख हो गये।

बिंदकी कोतवाली व कस्बे के मुगल रोड स्थित लक्ष्मी होटल के बगल में नदीम निवासी मोहल्ला मुगलाही की मोनू गारमेंट्स नाम की दुकान में आज सुबह अचानक बिजली की शार्ट सर्किट से आग लग गई। दुकान मालिक नदीम ने बताया कि आज सुबह मुझे दुकान के पड़ोसियों से दुकान में आग लगने की जानकारी मिली, जब तक मौके पर पहुंचते तक तक आग विकराल रूप धारण कर लिया और घटना की जानकारी पर पहुंची दमकल विभाग की टीम जब तक आग बुझाती तब तक दुकान में रखे कीमती रेडीमेड कपड़े जल गये हैं।

खुदरा ऋण बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसद बढ़कर 162 लाख करोड़ पहुंचा

-सोने में तेजी, त्योहारी मांग, जीएसटी में कटौती से कर्ज वितरण को मिला बढ़ावा

मुंबई।

खुदरा ऋण का बकाया दिसंबर तिमाही में 18.1 फीसदी बढ़कर 162 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। सोने की कीमतों में तेजी, त्योहारी मांग और जीएसटी दरों में कटौती से कर्ज वितरण को बढ़ावा मिला है। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर-दिसंबर, 2025 तिमाही के दौरान खुदरा ऋण में सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाला आवासीय ऋण खंड 10.5 फीसदी बढ़कर 43 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, सोने के बदले कर्ज यानी स्वर्ण ऋण में 44.1 फीसदी की वृद्धि हुई और इसका बकाया 16.2 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान व्यक्तिगत ऋण खंड का बकाया भी 11.6 फीसदी बढ़कर 15.9 लाख करोड़ रुपए हो गया।

रिपोर्ट के मुताबिक जीएसटी दरों में कटौती से वाहन कर्ज में 14.6 फीसदी, दोपहिया वाहन ऋण में 12.3 फीसदी और टिकाऊ उपभोक्ता सामान ऋण में 14.3 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। आलोच्य अवधि में एकल स्वामित्व वाली इकाइयों द्वारा लिए गए ऋण का बकाया 26.2 फीसदी बढ़ा। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर 30 से 180 दिन की देरी वाले खुदरा ऋणों का अनुपात घटकर दिसंबर, 2025 में 2.8 फीसदी रह गया, जो एक साल पहले 3.2 फीसदी था। आवासीय ऋण के संदर्भ में सक्रिय ऋण खातों की संख्या 3.3 लाख बढ़ी, जो औसत ऋण आकार में वृद्धि का संकेत है।

बैंगलुरु में एटीएम पर कैश की किल्लत, नहीं मिल रहे 500 रुपए के नोट

-बैंकिंग सिस्टम धीमा, जितना कैश निकल रहा है, उतना नहीं आ रहा वापस

नई दिल्ली।

आईटी हब बैंगलुरु में इन दिनों एटीएम पर कैश की किल्लत देखने को मिल रही है। शहर के कई इलाकों में लोग एक एटीएम से दूसरे एटीएम तक भटक रहे हैं लेकिन पर्याप्त नकदी नहीं मिल पा रही है। खासतौर पर 500 रुपए के नोट की उपलब्धता बेहद सीमित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकारी और निजी दोनों बैंक अचानक बढ़ी नकदी मांग के दबाव में हैं। बैंकों के पास कैश की सप्लाई पूरी तरह रुकी नहीं है लेकिन निकासी में तेजी आने से एटीएम समय पर रिफिल नहीं हो पा रहे हैं। परिणामस्वरूप मशीनों में सीमित मात्रा में ही कैश डाला जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग सूत्रों का कहना है कि करंट और ओवरड्राफ्ट खातों से बड़े पैमाने पर नकदी निकाली जा रही है। निर्माण, प्रॉपर्टी डेवलपमेंट और सरकारी सिविक प्रोजेक्ट्स से जुड़े कारोबारी और ठेकेदार मजदूरी व अन्य भुगतान के लिए नकद का इस्तेमाल कर रहे हैं। आम तौर पर यह पैसा कुछ दिनों में बैंकिंग सिस्टम में वापस लौट आता है लेकिन हाल के हफ्तों में यह चक्र धीमा पड़ा यानी जितना कैश निकल रहा है, उतना वापस नहीं आ रहा है। शहर में नगर निगम चुनाव प्रस्तावित हैं, वहीं पड़ोसी राज्यों केरल और तमिलनाडु में भी आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव होना हैं। कुछ जानकारों का मानना है कि चुनावी तैयारियों के चलते नकदी की मांग बढ़ सकती है। हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बढ़ती नकद निकासी शुरुआती चेतावनी संकेत मानी जाती है। आरबीआई करेंसी की उपलब्धता पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर संतुलन बहाल करने के उपाय कर सकता है। इस बीच बैंकों ने ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग का ज्यादा इस्तेमाल करने की सलाह दी है, ताकि नकदी पर दबाव कम किया जा सके। बैंक एटीएम में रिफिल को प्राथमिकता देने की बात कह रहे हैं लेकिन फिलहाल 500 रुपए के नोट की कमी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी है।

होली से पहले कंपनियां एलपीजी के रेट करेंगी अपडेट, उपभोक्ताओं को लग सकता है झटका

नई दिल्ली।

होली से पहले 1 मार्च को लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के रेट अपडेट होंगे। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां इस दिन नए रेट जारी करेंगी। पिछले पांच साल का ट्रेंड बताता है कि मार्च के महीने में घरेलू और कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट बढ़े ही हैं। कॉमरशियल सिलेंडर तो हर बार महंगा हुआ है, जबकि इस दौरान घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट मार्च में जब भी बदले, उपभोक्ताओं को झटका ही लगा है। अभी दिल्ली में घरेलू एलपीजी सिलेंडर 853 रुपए, कोलकाता में 879, मुंबई में 852.50 और चेन्नई में 868.50 रुपए में मिल रहा है।

यह आंकड़े इंडियन ऑयल की वेबसाइट से लिए गए हैं। इसके अनुसार कॉमर्शियल सिलेंडर दिल्ली में 1740.50 रुपए, कोलकाता में 1844.50, मुंबई में 1692 और चेन्नई में 1899.50 रुपए में बिक रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच साल में तीन बार ही मार्च में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट बदले। दो बार 1 मार्च को और एक बार 22 मार्च को। एक मार्च 2023 को घरेलू एलपीजी सिलेंडर 50 रुपए महंगा हो गया था। 6 जुलाई 2022 के बाद रेट में बदलाव हुआ था और दिल्ली में यह 50 रुपए बढ़कर 1103 रुपए पर पहुंच गया था। 14 किलो वाले इस सिलेंडर के दाम कोलकाता में 1129, मुंबई में 1102.50 और चेन्नई में 1118.50 रुपएपर पहुंच गए थे, जबकि साल 2022 में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के रेट में बदलाव 22 मार्च को हुआ। इस दिन भी 50 रुपए का इजाफा हुआ था। रेट में बदलाव 6 अक्टूबर 2021 के बाद हुआ था।

दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 949.50 रुपए पर पहुंच गया। इसी तरह कोलकाता में 976, मुंबई में 949.50 और चेन्नई में 965.50 रुपए का हो गया। साल 2021 का मार्च भी घरेलू एलपीजी सिलेंडर के उपभोक्ताओं को झटका ही दिया। 1 मार्च 2021 को घरेलू एलपीजी सिलेंड दिल्ली में 25 रुपए महंगा होकर 819, कोलकाता में 845.50, मुंबई में 819 और चेन्नई में 835 रुपए का हो गया। पिछले साल यानी 2025 में दिल्ली में कॉमर्शियल सिलेंडर के रेट में मामूली बढ़ोतरी हुई थी। एक फरवरी को 19 किलो वाला सिलेंडर यहां 1 फरवरी को 1797 रुपए में बिक रहा था, जो 1 मार्च 2025 को 6 रुपए बढ़कर 1803 रुपए हो गया।

एन्थ्रोपिक की साझेदारी से आईटी शेयरों में जोरदार उछाल

एआई से व्यवधान की आशंका घटी, इनफोसिस, विप्रो और टाटा कन्सलटेंसी सर्विस में 5 फीसद तक तेजी

नई दिल्ली।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर सॉफ्टवेयर उद्योग में छाई अनिश्चितता के बीच अमेरिकी एआई स्टार्टअप एन्थ्रोपिक की नई साझेदारियों ने भारतीय आईटी सेक्टर को बड़ी राहत दी है। कंपनी द्वारा कई एसएएएस फर्मों के साथ रणनीतिक गठजोड़ की घोषणा के बाद बुधवार को देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के शेयरों में 5 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई। बाजार में यह उछाल ऐसे समय में आया है, जब पिछले पांच कारोबारी सत्रों से लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ था। इन्फोसिस, विप्रो और टाटा कंसल्टेंसी सर्विस (टीसीएस) के शेयरों में निवेशकों की जोरदार खरीदारी देखी गई। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि एंथ्रोपिक की घोषणा से यह संकेत मिला है कि एआई पारंपरिक आईटी सेवाओं के लिए खतरा नहीं, बल्कि सहयोगी भूमिका निभाएगा। एंथ्रोपिक ने अपने 'एंटरप्राइज एजेंट' इवेंट में कई बड़े प्लेटफॉर्म के साथ इंटीग्रेशन की घोषणा की। कंपनी ने अपने क्लाउड को-वर्क प्लेटफॉर्म को सेल्सफोर्स के स्लैक, इनफुटह्ल, डोकुसिंग्न, लीगलजूम, फेक्टसेट और गूगल के जीमेल जैसे एंटरप्राइज एप्लीकेशंस के साथ जोड़ने की सुविधा दी है। साथ ही, वित्तीय विश्लेषण, इंजीनियरिंग और मानव संसाधन जैसे क्षेत्रों के लिए कस्टमाइज्ड प्लगइन्स की भी घोषणा की गई है। अमेरिकी बाजार से भी सकारात्मक संकेत मिले। वॉल स्ट्रीट पर टेक शेयरों में तेजी के चलते डाव जोनेस इंडस्ट्रियल एवरेज में 370 अंकों की बढ़त दर्ज की गई, जबकि एसएंडपी 500 और नसडक कॉम्पोसाइट क्रमशः 0.7 फीसद और 1.1फीसद चढ़े।

ट्रंप ने सोलर इंपोर्ट्स पर लगाया 126 प्रतिशत टैरिफ.....औंधे मुंह गिरे सोलर कंपनियों के शेयर

मुंबई।

सोलर कंपनियों के शेयर बुधवार को बाजार खुलते ही औंधे मुंह गिर गए हैं। सोलर कंपनी वारी एनर्जीज लिमिटेड, प्रीमियर एनर्जी, विक्रम सोलर, वारी रिन्यूएबल तकनीक और इंडोसोलर लिमिटेड के शेयर बुधवार को 15 प्रतिशत तक टूट गए हैं। दरअसल अमेरिका ने भारत से किए जाने वाले सोलर इंपोर्ट्स पर भारी-भरकम ड्यूटी लगा दी है, इससे इंडियन सोलर कंपनियों के शेयर बुधवार को टूट गए हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत से होने वाले सोलर इंपोर्ट्स (सोलर प्रॉडक्ट्स के आयात) पर 126 प्रतिशत की शुरुआती ड्यूटी लगाई है। यह ड्यूटी ट्रंप प्रशासन की तरफ लगाए टैरिफ से अलग होगी। वारी एनर्जीज लिमिटेड के शेयर बुधवार को 15 प्रतिशत टूटकर 2571.45 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, प्रीमियर एनर्जीज लिमिटेड के शेयर भी 13 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ 667.05 रुपये पर पहुंच गए हैं। विक्रम सोलर लिमिटेड के शेयर 5 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़ककर 171.50 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज के शेयर भी 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 810 रुपये पर पहुंच गए हैं। इंडोसोलर लिमिटेड के शेयरों में भी 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। भारत के अलावा, इंडोनेशिया से होने वाले आयात पर भी अमेरिका ने 86 से 143 प्रतिशत के बीच शुरुआती ड्यूटी लगा दी है। लाओस से होने वाले इंपोर्ट पर 81 प्रतिशत की ड्यूटी लगाई गई है। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, फॉरेन सब्सिडीज के आधार पर यह रेट्स तय किए गए हैं, जिससे निर्यातक सस्ते दाम पर प्रॉडक्ट्स बेचकर घरेलू सोलर प्रॉड्यूसर्स को नुकसान पहुंचा रहे हैं। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट के मुताबिक, साल 2024 में भारत से सोलर इंपोर्ट्स 792.6 मिलियन डॉलर रहा, जो कि साल 2022 के मुकाबले 9 गुना से ज्यादा बढ़ा है। लेकिन ड्यूटी बढ़ने से इंडियन सोलर पैनल मैन्युफैक्चरर्स को तगड़ा झटका लगेगा।

रुपया बढ़त पर बंद

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 2 पैसे की बढ़त के साथ ही 90.93 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह भारतीय रुपया 90.94 पर खुला और फिर 90.89 तक पहुंच गया, ये पिछले बंद भाव से 6 पैसे की बढ़त दिखाता है। वहीं गत दिवस मंगलवार को रुपया 6 पैसे टूटकर 90.95 पर बंद हुआ था। आज सुबह शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे बढ़कर 90.89 पर पहुंच गया। इसका कारण डॉलर का कमजोर होना और घरेलू इक्विटी मार्केट में मजबूत शुरुआत को माना जा रहा है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आये बदलाव का प्रभाव भी रुपये पर पड़ा है।

इस्पात उद्योग के दिग्गज जतिंदर मेहरा का निधन, उद्योग जगत शोक में डूबा

मुंबई। इस्पात उद्योग के दिग्गज जतिंदर मेहरा का निधन होने के साथ भारत के धातु और खनन क्षेत्र के एक युग का अंत हुआ। छह दशकों से अधिक के अपने करियर में, मेहरा अपने तकनीकी ज्ञान, रणनीतिक सोच और महत्वाकांक्षी विचारों को सफल बड़े पैमाने की परियोजनाओं में बदलने की क्षमता के लिए व्यापक रूप से सम्मानित थे। मेहरा ने एस्सार समूह में धातु एवं खनन प्रभाग के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया, जहां उन्होंने समूह के इस्पात और धातु व्यवसायों के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शोक संदेश में, एस्सार परिवार ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें एक दूरदर्शी लीडर के रूप में याद किया। कंपनी ने कहा, भारत के इस्पात उद्योग के सम्मानित दिग्गज और इसरह के लीडर, जिनकी दूरदृष्टि ने एस्सार समूह की कुछ सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों की नींव रखी, उनके निधन से एस्सार परिवार को गहरा दुख हुआ है। उन्होंने ओडिशा में पारादीप इस्पात संयंत्र जैसी बड़ी एकीकृत परियोजनाओं के विकास का भी नेतृत्व किया, जिससे वैश्विक इस्पात बाजार में एस्सार की उपस्थिति मजबूत हुई। एस्सार में शामिल होने से पहले, मेहरा ने भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात उद्योग में कई वरिष्ठ पदों पर कार्य किया। उन्होंने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक और बाद में राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य किया। आरआईएनएल में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के चालू होने का नेतृत्व किया, जो देश के इस्पात क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर परियोजना थी। उद्योग में उनके आजीवन योगदान को मान्यता देते हुए, भारतीय इस्पात संघ ने उन्हें 2022 में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया।

2025 में मेकमाईट्रिप कॉरपोरेट यात्रा की कुल बुकिंग एक अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली। यात्रा प्रौद्योगिकी कंपनी मेकमाईट्रिप की कॉरपोरेट यात्रा खंड की कुल बुकिंग 2025 में एक अरब डॉलर के पार हो गई। इस सेवा का लाभ 40 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को मिला है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि उसके कॉरपोरेट मंच क्वेस्ट2ट्रैवल, मायबिज और हैपे पर कुल बुकिंग एक अरब डॉलर से ज्यादा की हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेकमाईट्रिप के पास 500 बड़ी कंपनियों के ग्राहक हैं। इनमें बीएसई 500 की शीर्ष 150 कंपनियां और पूरे देश के 75,000 छोटे और मझोले व्यवसाय शामिल हैं। मेकमाईट्रिप के सह-संस्थापक और सीईओ राजेश मागो ने कहा कि हमारा कॉरपोरेट यात्रा कारोबार सामान्य उपभोक्ता व्यवसाय की तुलना में नया है लेकिन केवल पांच सालों में यह बहुत तेजी से बढ़ा है।

मुकेश की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने करा दी मौज.....अनिल की कंपनियों ने किया निवेशकों को निराश

मुंबई। देश के बड़े उद्योगपति मुकेश और अनिल अंबानी के समूहों की कई कंपनियां शेयर बाजार में दर्ज हैं, उनका बीते छह महीने और एक वर्ष का प्रदर्शन निवेशकों के लिए बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता है। जहां मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली कुछ कंपनियों ने सीमित सकारात्मक रिटर्न दिया, वहीं अनिल अंबानी समूह की कंपनियों ने निवेशकों को भारी नुकसान झेलने पर मजबूर किया। अनिल के ग्रुप की कंपनियां रिलायंस पावर, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, रिलायंस होम फाइनेंस और रिलायंस कम्युनिकेशंस में लगातार गिरावट देखने को मिली। छह माह में इन कंपनियों के शेयर 44 से 64 फीसदी तक टूटे, जबकि एक साल में भी 30 से 59 फीसदी तक का निगेटिव रिटर्न दर्ज हुआ। दिवालिया प्रक्रिया में फंसी कंपनियों की स्थिति भी निवेशकों के लिए निराशाजनक रही। वहीं इसके विपरीत, मुकेश अंबानी के समूह की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पिछले एक साल में करीब 19 प्रतिशत का रिटर्न दिया, जो समूह की कंपनियों में सबसे बेहतर रहा। हालांकि, बाकी कंपनियां जैसे नेटवर्क18 मीडिया, हैथवे केबल एंड डेटाकॉम, डेन नेटवर्क्स, रिलायंस इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी, आलोक इंडस्ट्रीज और जस्ट डायल ने पिछले छह महीने और एक साल, दोनों अवधियों में नकारात्मक रिटर्न ही दिया। इन कंपनियों के शेयर 18 से 36 फीसदी तक टूटे, जबकि एक साल में यह गिरावट 9 से 29 फीसदी के बीच रही। कुल मिलाकर, बीते एक वर्ष में अनिल अंबानी समूह की किसी भी कंपनी ने निवेशकों को लाभ नहीं पहुंचाया, जबकि मुकेश अंबानी के समूह में सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज ही भरोसेमंद निवेश विकल्प बनी रही। यह तुलना साफ दिखाती है कि अंबानी समूह की कंपनियों में निवेश करने वालों के लिए पिछले एक साल में सबसे सुरक्षित और फायदे का सौदा सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज ही साबित होती।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 50.15 अंक की बढ़त के साथ ही 82,276.07 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 57.85 अंक बढ़कर 25,482.50 पर बंद हुआ। आज सुबह बाजार आईटी शेयरों में तेजी से ऊपर आया पर सत्र के अंत में बड़े लार्जकैप शेयरों में बिकवाली हावी होने से दिन भर की बढ़त उसने खो दी। बाजार में और भी गिरावट होती पर मेटल और ऑटो स्टॉक्स ने उसे संभाल लिया। निफ्टी मेटल 2.70 फीसदी और निफ्टी ऑटो और फार्मा 1.85-1.85 फीसदी बढ़त पर बंद हुए। निफ्टी हेल्थकेयर 1.59 फीसदी, निफ्टी आईटी 1.57 फीसदी, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग 1.35 फीसदी, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.93 फीसदीऔर निफ्टी कमोडिटीज 0.75 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक 0.39 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.30 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.25 फीसदी और निफ्टी रियल्टी 0.19 फीसदी टूटकर बंद हुआ।

आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 339.75 अंक की की तेजी के साथ 59,406.10 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 160.05 अंक की मजबूती के साथ 17,118.70 पर था। सेंसेक्स पैक में आज एचसीएल टेक, टाटा स्टील, टीसीएल, इंडिगो, सन फार्मा, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बीईएल, एलएंडटी, टेक महिंद्रा, टाइटन, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एचयूएल और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर लाभ में रहे जबकि एसबीआई, , भारती एयरटेल, आईटीसी, कोटक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस और ट्रेंट नुकसान में रहे थे। गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 102.53 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी। वहीं, इससे पहले सोमवार को एफआईआई ने कैश मार्केट में 3,483.70 करोड़ रुपए की खरीदारी की थी।

इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स करीब 475 अंक बढ़कर 82,748 और निफ्टी 145 अंक उछलकर 25,568 पर खुला। आज बाजार में सकारात्मक प्रभाव रहा है। ऐसे में काफी शेयर उछले हैं। ज्यादातर वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हुआ। शंघाई, टोक्यो, हांगकांग, बैंकॉक, जकार्ता के बाजारों में तेजी रही। वहीं अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस बढ़त पर रहे। शेयर बाजार में तेजी का कारा एफआईआई की ओर से बिकवाली का दबाव कम होना है। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के शेयरों में 102.53 करोड़ रुपए की बिकवाली रही। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,161.22 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

मोदी सरकार ने कर दिया उपाय..... खादय तेलों की कीमतों में आएगी कमी

कीमतों में पांच से 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी

नई दिल्ली।

खादय तेलों की बढ़ी कीमत से परेशान लोगों को राहत देने के लिए मोदी सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में बड़ी कटौती कर दी है। केंद्र सरकार के फैसले के बाद 31 मई से बाजार में खाद्य तेल की कीमतों में गिरावट देखने को मिलेगी।

इस कदम का सीधा असर तेल की बोतलों पर छपे अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर होगा और कंपनियां जल्द ही नए दामों के साथ तेल उत्पाद बाजार में उतारेंगी। खबरों के अनुसार केंद्र सरकार ने कच्चे पाम, कच्चे सोयाबीन और कच्चे सूरजमुखी तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी कम कर दी है।

अब तक कच्चे पाम ऑयल, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल पर 20 प्रतिशत आयात शुल्क वसूला जा रहा था, इस अब मोदी सरकार ने घटाकर सीधा 10 प्रतिशत किया है।

चूंकि भारत अपनी खाद्य तेलों की जरूरत का करीब 70 प्रतिशत हिस्सा दूसरे देशों से खरीदकर पूरा करता है, इसकारण टैक्स में हुई 10 प्रतिशत की कटौती सीधे तौर पर घरेलू बाजार में तेल की बोतलों और पैकेटों के दाम नीचे लाएगी। शुल्क में कमी के बाद इन तेलों के आयात की लागत कम होगी, जिससे रिफाइनरी कंपनियों को सस्ता कच्चा माल मिलेगा। माना जा रहा है कि इसका फायदा सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाएगा।

दरअसल भारत पाम ऑयल के लिए मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों पर निर्भर है, जबकि सूरजमुखी तेल यूक्रेन और रूस जैसे देशों से आता है। सितंबर 2024 में जब केंद्र सरकार ने टैक्स बढ़ाया था, तब तेल के दाम अचानक आसमान छूने लगे थे। केंद्र सरकार ने तेल उद्योग से स्पष्ट कहा है कि आयात शुल्क में दी गई राहत का लाभ ग्राहकों तक पहुंचना चाहिए।

खाद्य तेल कंपनियां अब अपने स्टॉक और नई खेप के हिसाब से अधिकतम खुदरा मूल्य में संशोधन कर रही हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि अगले कुछ हफ्तों में खुदरा बाजार में कीमतों में पांच से 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी देखने को मिलेगी, हालांकि वास्तविक गिरावट ब्रांड और क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग हो सकती है।

स्मार्टफोन से जेट की बुकिंग

कम किराए पर विमान 30 सेकंड में बुकिंग

लंदन। अमेरिका और ब्रिटेन में अब प्राइवेट एविएशन कंपनियों द्वारा स्मार्टफोन पर हवाई जहाज बुकिंग की सुविधा दी गई है। कम किराये पर बिना बिचौलिए के 30 सेकंड के अंदर विमान बुक करके उपलब्ध कराने का दावा कंपनियां करने लगी हैं। स्मार्टफोन से बुकिंग का काम, फ्लाई हाउस, जेटली,लेबो डॉट एयरो जैसी कई कंपनियां 30 सेकंड के अंदर विमान बुक करने का वादा करती हैं। इसके पहले अभी तक यह बड़ा सिर दर्द वाला काम होता था। अब विमानन कंपनियों द्वारा अपने विमान की वीडियो उनकी कीमत और अन्य जानकारी स्मार्टफोन पर उपलब्ध करा दी जाती है। फ्लाई हाउस नामक कंपनी ने एक नया फीचर जोड़ा है। उसमें समान रुचि वाले लोगों के लिए पूरी फ्लाइट के बजाय पसंद की कुछ सीटों पर बुकिंग की सुविधा देना शुरू कर दी है। जिसके कारण लोग अपने रुचि वाले लोगों के साथ विमान में यात्रा कर पा रहे हैं। विमानन क्षेत्र में यह बड़ा परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

कावासाकी निंजा 650 पर फरवरी में ही मिलेगा कैशबैक का लाभ

नई दिल्ली। लोकप्रिय मिडिलवेट बाइक कावासाकी निंजा 650 पर 27,000 रुपये का कैशबैक ऑफर बढ़ा दिया है। यह जबर्दस्त आफर 28 फरवरी 2026 तक वैध रहेगा। बाइक की एक्स-शोरूम कीमत पहले 7.91 लाख रुपये थी, लेकिन डिस्काउंट के बाद इसकी प्रभावी कीमत घटकर करीब 7.64 लाख रुपये रह जाती है। यह वाउचर सीधे एक्स-शोरूम प्राइस पर रिडीम किया जा सकता है, जिससे खरीदारों को वास्तविक रूप से फायदा मिलता है। कंपनी ने यह डिस्काउंट इसलिए पेश किया है क्योंकि हाल ही में निंजा 650 का 2026 मॉडल लॉन्च किया गया है, और पुराने स्टॉक को क्लियर करने की रणनीति के तहत यह ऑफर जारी है। ऐसे में ग्राहकों को कम कीमत में एक प्रीमियम स्पोर्ट्स बाइक खरीदने का सुनहरा मौका मिल रहा है। निंजा 650 में 649सीसी का पैरलल-ट्विन इंजन मिलता है, जो 67 बीएचपी की पावर और 64 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसके साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है। यह इंजन स्मूदनेस, विश्वसनीयता और हाईवे पर स्थिर परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है, जिससे यह शहर और हाईवे दोनों परिस्थितियों में बेहतरीन राइडिंग अनुभव प्रदान करता है। यह बाइक उन राइडर्स के लिए उपयुक्त है जो 600सीसीसेगमेंट में कदम रखना चाहते हैं और स्पोर्टी लुक के साथ कम्फर्ट का संतुलन भी चाहते हैं। ट्रैक राइडिंग और टूरिंग दोनों का मज़ा लेने वालों के लिए यह एक मजबूत विकल्प है। अगर आप निंजा 650 खरीदने का विचार कर रहे थे, तो यह सही समय माना जा सकता है।

जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां सुपर-8 के अपने दूसरे मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे सेमीफाइलन की उम्मीदें बनाये रखने के लिए इस मैच में बड़े अंतर से जीत चाहिये। भारतीय टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं है क्योंकि उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ असफल रहे थे। वहीं गेंदबाजी भी खास नहीं रही है। इसके अलावा जिम्बाब्वे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है उसने लीग स्तर में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराया है। ऐसे में उसे कमजोर मानना भूल होगी।

दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीका का रन रेट भी माइनस 3.80 हो गया है। इससे उससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए इस मुकाबले में बड़ी जीत चाहिये। इसके लिए पारी की शुरुआत और तीसरे नंबर की असफलता से उसे उबरना होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा फार्म में नहीं है। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा भी अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। केवल ईशान किशन ने ही अब रन बनाये हैं।

ऑफ स्पिनरों के सामने अभिषेक रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे भी भारतीय टीम को भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह केवल 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। ऐसे में उनकी जगह पर इस मैच में संजू सैमसन को उतारने की मांग हो रही है।

वहीं तिलक को भी अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। अब तक केवल ईशान ने ही 193 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट 127 रहा है जो उनके टी20 करियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है। शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या ने अब तक अच्छा खेला है और निचले क्रम पर इन दोनो से आगे भी बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीदें हैं। बायें हाथ के तीन बल्लेबाजों ईशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में आफ स्पिनरों का उपयोग कर इनपर अंकुश

लगाने का प्रयास किया है जिसमें वे सफल भी हुई हैं। इस मैच में ऑफ स्पिनरों की रणनीति को विफल करने के लिए संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। उनके आने से दाये और बाएं हाथ की सलामी जोड़ी बेहतर रहेगी। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है। वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है। जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी , रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस को हालांकि कम नहीं आंका जा सकता है। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को वरुण चक्रवर्ती , जसप्रीत बुमराह से और बेहतर गेंदबाज की उम्मीद करनी होगी। पिछले मैच में भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट 20 रन पर गिरा दिये थे पर बीच के दौर में कमजोर गेंदबाजी के कारण अफ्रीकी टीम 187 रन बनाने में सफल रही। जिससे भारतीय बल्लेबाज दबाव में आ गयी।

टीम इस प्रकार है

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वेः सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

शास्त्री ने टीम को सही रणनीति और संयोजन से उतरने की सलाह दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि अब टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में मिली करारी हार से सबक लेते हुए आगे के मैचों में सही संयोजन से उतरना होगा। इस मैच में मिली हार के बाद प्रबंधन के कई फैसलों पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में अब टीम के ऊपर बचे हुए दोनो मैचों को बड़े अंतर से जीतने का दबाब है। शास्त्री का कहना है कि अब टीम को अपने संयोजन पर फिर से विचार करना होगा।

शास्त्री ने कहा, 'आप लगातार 12 मैच जीतते हैं, तो एक खराब दिन आना तय है। शायद यही वह बदलाव है जिसकी भारत को जरूरत थी। यह टीम को अपनी रणनीति और संयोजन पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। इस हार से उन्होंने यह सीख लिया होगा कि अब चीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि सुपर 8 में अगर एक और मैच हारते हैं तो बाहर हो जाएंगे।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह पर टीम ने वाशिंगटन सुंदर को अवसर दिया पर सुंदर असफल रहे। अब अक्षर को वापस टीम में लाने की मांग बढ़ रही है। वहीं शास्त्री चाहते हैं कि सुंदर को भी टीम से बाहर न किया जाए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्हें अक्षर को वापस लाना चाहिए। आपको उनका अनुभव चाहिए। मैं कहूंगा कि दोनों को खिलाएं। स्वयं को एक अतिरिक्त विकल्प दें। किसी भी दिन एक गेंदबाज का खराब दिन हो सकता है, जैसे रविवार को वरुण चक्रवर्ती का हुआ था। वह अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं थे और इसका नुकसान टीम को हुआ।' 'अगर अक्षर पटेल खेल रहे हैं, तो वह नंबर 8 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।,'

आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पांच में पहुंचे ईशान और फरहान

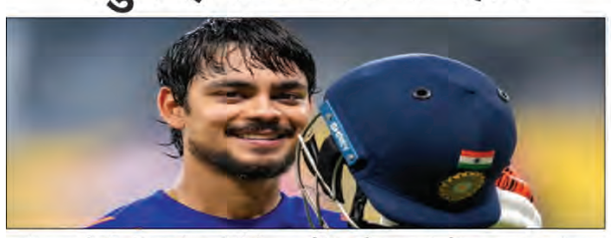

-गेंदबाजी में बॉश और फोर्ड ने लंबी छलांग लगायी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय टीम के बल्लेबाज ईशान किशन लंबी छलांग लगाकर शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। ईशान को टी20 विश्वकप में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं भारतीय टीम के अभिषेक शर्मा हाल में खराब प्रदर्शन के बाद भी नंबर एक पर बरकरार हैं हालांकि उनकी रेटिंग 891 से घटकर 877 रह गई है। वहीं टूर्नामेंट में काफी रन बनाने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान भी दो पायदान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट 815 रेटिंग्स के साथ दूसरे और साहिबजादा फरहान 810 रेटिंग्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ईशान 742 रेटिंग्स के साथ पांचवें पायदान पर पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ आक्रामक पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस शीर्ष 10 में पहुंच गये हैं। ब्रेविस ने 10 पायदान की लंबी छलांग लगाये है जिससे वह 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले हैरी ब्रूक 10 पायदान की छलांग लगाकर 18वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान पर बने हुए हैं। वहीं भारत के ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी छलांग लगाकर 8वें नंबर पर पहुंच गये हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश 21 पायदान की लंबी छलांग लगाकर तीसरे नंबर जबकि वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड 23 पायदान की छलांग लगाकर 7वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

टी20 विश्वकप: इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी, बचे हुए तीन स्थानों के लिए सात टीमों में मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-आठ मुकाबले में जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप 2026 सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने इससे पहले हुए सुपर-आठ मुकाबले में श्रीलंका को हराया। अपने दूसरे सुपर-8 मुकाबले में कप्तान हैरी ब्रूक की शानदार शतकीय पारी से इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दो विकेट से हरा दिया। इस मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने 164 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 165 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे इंग्लैंड टीम ने कप्तान हैरी के शतक से 2 विकेट रहते हासिल कर लिया। हैरी टी20 विश्व कप के इतिहास में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं। अब सेमीफाइनल के बचे अब तीन स्थानों के लिए कुल 7 दावेदारों के बीच मुकाबला है। सुपर-8 में शामिल अभी कोई टीम से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है।

पाकिस्तान : इंग्लैंड से हार के बाद भी पाक टीम अभी तक सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। पाक का अंतिम मैच श्रीलंका से है। अगर पाकिस्तान वह मैच जीतता है और न्यूजीलैंड की टीम अपने अगले दोनों मैच हारती है तो पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर इंग्लैंड टीम एक भी मैच जीतती है तो तब फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा।

भारतः भारतीय टीम की स्थित सबसे कठिन है। पहले सुपर-8 मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली 76 रनों से हार के कारण भारतीय टीम का नेट रन रेट निगेटिव में है। ऐसे में उसे अपने दोनो बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने के साथ ही अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

श्रीलंका : मेजबान श्रीलंका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सबसे पहले अपने बचे दो मुकाबले न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से अच्छे अंतर से जीतने होंगे। खिलाफ जीतने होंगे। अगर श्रीलंका ऐसा करता है तो उनके अधिकतम 4 अंक होंगे। ऐसे में उन्हें प्रार्थना करनी होगी कि कीवी टीम सुपर-8 में एक मैच हारे जिससे उसके अंक 3 से आगे न हों। ऐसे में श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

न्यूजीलैंड : न्यूजीलैंड का सुपर-8 में अगले दो मैच श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने है। अगर न्यूजीलैंड इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करता है तो उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। कीवी टीम का पहला मुकाबला पाक से था जो बारिश के कारण नहीं हुआ था। जिससे उसके पास अभी एक अंक है। ।

दक्षिण अफ्रीका : भारत से पहला मैच जीतकर उसके दो अंक हैं और नेट रनरेट भी काफी अच्छा है। ऐसे हराकर दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने बचे हुए दोनो ही मैच वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे से जीतती है तो आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच सकती है पर एक भी मैच हारने पर फैसला नेट रन रेट से होगा।

वेस्टइंडीजः वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे से पहला मैच जीत लिया है। अब उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे दोनों मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वेस्टइंडीज एक मैच हारती है तो फैसला नेट रन रेट से होगा।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा की टीम भी अभी तक पूरी तरह से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है। उनके बचे दो कठिन मुकाबले भारत और दक्षिण अफ्रीका से है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पहले ये दोनों मैच जीतने होंगे, फिर नेट रन रेट के आधार पर उन्हें नॉकआउट में प्रवेश मिलेगा।

इटली में महिला क्रिकेटर के यौन शोषण का मामला सामने आया, आरोपी अधिकारी निलंबित

रोम । इटली में एक महिला क्रिकेटर के यौन शोषण के आरोपों के बाद क्रिकेट बोर्ड से जुड़े एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। महिला क्रिकेटर के आरोपों के बाद ऑर्डिनेटर प्रबाथ एक्नेलिगोडा को क्रिकेट फेडरेशन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। फेडरेशन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस मामले की जांच फेडरल प्रॉसिक्यूटर करेगा। यौन शोषण का ये मामला पिछले साल का बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फेडरेशन ने कहा, साल 2025 के दौरान फेडरेशन की अध्यक्ष ने एथलीट्स और इससे जुड़े दूसरे पक्षों की पूर्ण सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए आरोपी अधिकारी को हर तरह की फेडरल से बाहर किये जाने का आदेश दिया है बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि हालातों का पूरी तरह से आंकलन अभी नहीं किया गया है। निलंबन का फैसला इसलि लिया गया है जिससे गैरजरुरी अटकलों पर रोक लगे और खेल का वातावरण साफ बना रहे। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी के वकील ने कहा है कि उसके खिलाफ साजिश हुई है।

आईपीएल के कारण टी20 क्रिकेट का बेहतर खिलाड़ी बना हूं : एनगिडी

मुम्बई । दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने का लाभ उन्हें मिला है। एनगिडी के अनुसार आईपीएल में मिले अनुभवों से ही उनकी गेंदबाजी बेहतर हुई है। इस तेज गेंदबाज के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं बल्कि आईपीएल के कारण उनका गेंदबाजी कौशल बेहतर हुआ है। वह 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ जुड़े थे और इस दौरान उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। इस दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो से धीमी गेंद की बारीकियां सीखी और तब से उनकी गेंदबाजी भी बदल गयी। इसी कारण वह इस बार विश्वकप में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं।एनगिडी के अनुसार जब वह पहली बार आईपीएल खेलने के लिए उतरे तो उस सत्र में उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले थे पर नेट्स में समय बिताने से उनकी गेंदबाजी निखर गयी। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने धीमी गेंद, यॉर्कर, बैक ऑफ लेंथ स्लोअर डिलीवरी और धीमी बाउंसर पर लगातार काम किया। उन्होंने कहा कि एक ही एक्शन से अलग-अलग लेंथ और गति से गेंदबाजी आसान नहीं होती पर अभ्यास से से उनके लिए आसन हुआ है। बल्लेबाज के लिए अगली गेंद का अंदाजा लगाना कठिन बनाना ही उनका लक्ष्य रहता है। स्वदेश लौटने के बाद उन्होंने इस कौशल को बेहतर बनाने पर काम किया है। इसी कारण वह टी20 प्रारूप में अधिक प्रभावी गेंदबाज बन पाये हैं। एनगिडी ने भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबल में भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 15 रन देकर भारतीय टीम पर दबाव बना था। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को उनकी गेंदों की दिशा और गति समझने में परेशानी हुई। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर ऑफ-कटर की जगह लेग कटर का इस्तेमाल किया, ताकि बल्लेबाज़ की तैयारी का अंदाजा लगाते हुए उसे हैरान किया जा सके। एनगिडी का मानना है कि आमतौर पर विरोध टीमों का ध्यान उनपर नहीं रहता जिसका लाभ भ उन्हें मिला है

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

-बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है साक्षी

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल मुख्य कोच शॉर्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें में शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं।

वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं।

साक्षी ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों से भी पूरा सहयोग मिल रहा है। टीम में सकारात्मक माहौल है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कोच ने साक्षी को मैदान में संवाद शैली भी ठीक करने को कहा है। वह सेंटर मिडफील्ड में खेलती हैं, इसलिए खेल को तेजी से पढ़ना और सही समय पर पास देना उसके लिए सबसे जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव तेजी से बनता है, ऐसे में समय पर फैसला लेना भी जरुरी है। भारतीय टीम को पहले क्वालिफायर में 8 मार्च को तेलंगाना के हैदराबाद में उरुग्वे से खेलना है। इसके बाद टीम 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स का सामना करेगी।

बाबर आजम विश्वकप में सबसे धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी बने

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 24 गेंदों पर 25 रनों रन ही बनाये। इस दौरान बाबर केवल दो चौके ही लगा पाये और उनका स्ट्राइक रेट 104.17 का था। इसके साथ ही उनके नाम सबसे धीमी बल्लेबाजी का अनचाह रिकार्ड दर्ज हो गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर ने इतनी धीमी बल्लेबाजी की है। विश्वकप में अगर धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों की सूची पर नजर डालें तो उनमें सबसे खराब स्ट्राइक रेट बाबर का ही है। शीर्ष-5 बल्लेबाजों की इस सूची में दो और पाकिस्तानी भी मौजूद हैं। बाबर ने साल 2021 में इस टूर्नामेंट में डेब्यू किया था। तब से लेकर वह अभी तक 23 पारियां में उन्होंने 640 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट मात्र 111.5 का रहा है, जो कम से कम टी20 वर्ल्ड कप में 500 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबस कम है। बाबर आजम ने इस सूची मे अपने ही देश के मोहम्मद हफीज को ही पीछे छोड़ दिया है। हफीज का टी20 वर्ल्ड कप में स्ट्राइक रेट 111.8 का था। सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के ही मोहम्मद रिजवान है। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 113 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 112.2 - जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने 112.5 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ खेलेगी दक्षिण अफीकी टीम : सीएसए

प्रिटोरिया । क्रिकेट दक्षिण अफीका (सीएसए) ने कहा है कि उनकी टीम आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसी का कार्यक्रम उसने जारी किया है। सीएसए के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच किंग्समीड स्टेडियम से शुरू होगी। वहीं इसके बाद टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए तीन टेस्ट मैच खेलेगी। ये मैच नौ अक्टूबर से डरबन में खेले जाएंगे। इसके बाद गकेबरहा में 18 अक्टूबर से और न्यूलैंड्स में 27 अक्टूबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच 15 से 19 नवंबर तक वांडरर्स स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मैच 23 से 27 नवंबर तक सेंचूरियन में खेला जाएगा। वहीं इसके बाद 1 से 7 दिसंबर के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके अलावा 10 से 13 दिसंबर के बीच टी-20 मुकाबले किम्बरली, बेनोनी और सेंचुरियन में खेले जाएंगे। इसके बाद इंग्लैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगी। इसके बाद में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट और न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में नए साल का टेस्ट होगा। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू सीजन 10 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ समाप्त होगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा, हम इन तीनों टीमों के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। इससे हमारी टीम और बेहतर होकर उभरेगी।

टी20 विश्व कप में टीम इंडिया की फ्लॉप बैटिंग पर कोच सितांशु कोटक का बयान, 'हमें पॉजिटिव रहना होगा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुरुवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले करो या मरो के मुकाबले से पहले टीम इंडिया से सकारात्मक रहने और बेहतर क्रिकेट खेलने का आग्रह किया है। टीम इंडिया को सुपर आठ चरण के पहले मैच में 76 रनों की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा, जिससे मौजूदा चैंपियन टीम मुश्किल दौर में आ गई है।

टीम इंडिया को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए अपने सभी बचे हुए मैच जीतने होंगे और साथ ही यह भी उम्मीद करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका सुपर आठ चरण में अपराजित रहे। भारत के बल्लेबाज अब तक टूर्नामेंट में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं, उनका औसत मात्र 20 है, जो सुपर आठ में क्वालीफाई करने वाली टीमों में सबसे कम है। टीम ने 11 बार शून्य पर आउट होकर बल्लेबाजी की है, जो बल्लेबाजी में शुरुआती अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की कठिनाई को उजागर करता है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले टीम के खराब प्रदर्शन के कारणों और इससे निपटने की योजना के बारे में पूछे जाने पर, कोटक ने मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सभी द्विपक्षीय मैचों को देखें तो बल्लेबाजी वाकई अच्छी चल रही थी। मुझे लगता है कि इस विश्व कप में भी, पिछला मैच थोड़ा चिंताजनक था क्योंकि लगभग डेढ़ साल में, हमने सिर्फ दो बार ही 150 से कम रन बनाए हैं। इसलिए मैं इस बात पर ध्यान नहीं दे रहा हूं कि कोई कितनी बार असफल हुआ या कैसे, क्योंकि फिर हम उनकी बल्लेबाजी पर दबाव डालना शुरू कर देते हैं। लेकिन पिछले मैच को भी मुझे लगता है कि हमें सहजता से लेना चाहिए कि यह पिछले दो सालों में हमारा सबसे खराब मैच था, इसलिए ईमानदारी से कहूं तो हमें इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। विश्व कप में, खासकर हमारे सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा जितना हम चाहते थे। कोटक ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि टीम का हालिया प्रदर्शन उम्मीदों से कम रहा है, लेकिन व्यक्तिगत असफलताओं पर अत्यधिक ध्यान देने से अनावश्यक दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने तैयारी और रणनीतिक योजना के महत्व पर जोर दिया, साथ ही विपक्षी गेंदबाजी रणनीतियों का विश्लेषण करने की बात कही ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टीम शेष मैचों में प्रभावी ढंग से अनुकूलन और प्रतिक्रिया कर सके।

पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं सलामी बल्लेबाज : अभिषेक नायर

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच रहे अभिषेक नायर ने कहा है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप में अब तक टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। अभिषेक के अनुसार सुपर 8 स्तर में सलामी जोड़ी संघर्ष करती दिखी है। वहीं पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। अब तक केवल। ईशान किशन ही रन बनाने में सफल रहे हैं। ईशान ने 5 मैचों में 35.20 के औसत से 176 रन बनाए हैं। वहीं बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तक असफल रहे हैं। वह चार मैचों में से तीन में खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं चौथे मैच में उन्होंने 15 रन बनाए हैं। नायर ने कहा कि शीर्ष क्रम अभी तक सहज होकर नहीं खेल पा रहा। नई गेंद से ऑफ-स्पिनर विविधता ला रहे हैं जिससेस भी बल्लेबाजों के लिए पावरप्ले के ओवरों में शॉट लगाना कठिन हो रहा है। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज भी पारी की शुरुआत में रोस्टन चेस से गेंदबाजी करा सकती है। ऐसे में भारतीय सलामी बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। भारतीय टीम को अब टूर्नामेंट में बने रहने के लिए बचे हुए दो सुपर-8 मैच बड़ं अंतर से जीतने होंगे। भारतीय टीम को अब अगले मैच में जिम्बाब्वे और फिर वेस्टइंडीज से खेलना है।

ताकि स्किन सॉफ्ट

स्किन नेचर को रखें ध्यान

ऑयली स्किन वालों को मॉयश्चराइजर लगाना चाहिए। अकसर ऐसी स्किन में मॉयश्चर की कमी हो जाती है। मॉयश्चराइजर के स्थान पर क्रीम लगाने से स्किन ज्यादा ऑयली हो जायेगी। फेस पर चिपचिपापन महसूस होगा, जिससे चेहरे पर ज्यादा डस्ट बैठेगी। दाने भी निकल सकते हैं। वहीं जिनकी स्किन में ऑयल की कमी हो उन्हें क्रीम लगानी चाहिए। क्रीम ऑयल की कमी को दूर करती है। ऐसी स्किन वालों को मॉयश्चराइजर से बचना चाहिए।

लगाएं एएचए और कोलेजनयुक्त क्रीम

सर्दियों में रात को फेस वॉश करने के बाद 'एएचए' युक्त आवरनाइट क्रीम या मॉयश्चराइजर लगाना चाहिए। यह स्किन को सॉफ्ट बनाती है ऑर ड्राइनेस खत्म करती है। एएचए युक्त क्रीम या मॉयश्चराइजर को दिन में नहीं लगाना चाहिए क्योंकि दोपहर के वक्त इसे लगाने से सूरज से पिगमेनटेशन होने की आशंका रहती है। सुबह के वक्त कोलेजन युक्त क्रीम और मॉयश्चराइजर लगाएं।

लगाएं सही पोर्शन में क्रीम

क्रीम हमेशा ऊपर और बाहर की तरफ लगानी चाहिए। लोग अकसर खुद को और बच्चों को भी रगड़-रगड़ कर लगाते हैं, जो गलत तरीका है। फेस पर सॉफ्ट हाथों से क्रीम लगानी चाहिए। आखिर यह आपका फेस है, जिसे आपको पूरी लाइफ कैरी करना है।

सर्दियों में लगाएं सनगार्ड

सर्दियों में हम सनगार्ड लगाना छोड़ देते हैं। लेकिन इस मौसम में सबसे ज्यादा टैनिंग होने की संभावना रहती है। क्योंकि इस मौसम में लोग खूब धूप सेकते हैं, जिसकी वजह से स्किन टैन हो जाती है। सुबह के वक्त नहाने के बाद कोलेजन क्रीम लगा लें और बाहन निकलते समय सनबैन।

इस्तेमाल करें क्रीमयुक्त फेस वॉश

इस मौसम में ट्रांसपेरेंट कॉस्मेटिक न यूज करें। क्योंकि इसमें मॉयश्चराइजर और ऑयल बहुत कम होता है। क्रीम बेस्ड फेस वॉश यूज करें। क्लिजिंग मिल्क जरूर यूज कीजिए और उसके बाद गुनगुने पानी के साथ फेस वॉश से चेहरा धोइए।

ऑयलयुक्त बॉडी वॉश

ऑयल या मॉयश्चरबेस्ड बॉडी वॉश यूज करें। नहाते समय बॉडी ऑयल डालकर नहायें या फिर नहाने से पहले बॉडी ऑयल लगा लें।

नोटः घरेलू इलाज में आप चेहरे पर हनी और हल्दी मिक्स करके लगाएं। इससे स्किन सॉफ्ट हो जाती है। खाने-पीने का ध्यान रखें। ऑयली फूड बढ़ा लीजिए पर अगर आप फैटी हैं तो पहले वाली डाइट पर ही रहिए। ऐसी चीजें लीजिए, जिसमें ऑयल हो पर फैट न हो। जो कोलेस्ट्रोल न बढ़ाता हो।

मूंगदाल हलवा

सामग्रीः 100 ग्राम मूंगदाल (2 घंटे तक भिगोकर, फिर छानकर ग्राइंड करके पेस्ट बना लें), 100 मिली. घी, 100 ग्राम शक्कर, 1/4 लीटर दूध, चुटकीभर केसर (हल्के गर्म दूध में भिगोया हुआ), गार्निशिंग के लिए बादाम और पिस्ता के टुकड़े।

विधिः कड़ाही में घी और मूंगदाल का पेस्ट डालकर धीमी आंच पर गुलाबी भूरा होने तक भूनें। दूध को उबालकर मूंगदाल के मिश्रण में मिलाएं। दूध सूखने पर शक्कर मिलाकर भूनें। जब कड़ाही घी छोड़ने लगे, तब आंच पर से उतार लें। केसर और ड्रायफ्रूट्स से गार्निश करके गरमागरम सर्व करें।

मेरी मम्मी सुपर मॉम

कहते हैं, हर प्राणी में भगवान का अंश होता है, लेकिन 'मां' का तो कहना ही क्या ! उसका तो समूचा व्यक्तित्व ही देवी सरीखा होता है। मां का स्वरूप इतना विस्तृत है कि वेद-पुराण भी मां की ममता और करूणा की गाथा कहते नहीं थकते। मां, जो एक बच्चे को जन्म देती है, उसे पाल-पोसकर बड़ा करती है, उसके लिए एक भावनात्मक सहारा होती है। मां की भूमिका को लेकर फिल्म जगत में न जाने कितनी फिल्में बनीं, तो वहीं साहित्य जगत में मां की भूमिका को लेकर बहुत कुछ लिखा गया। दूसरी तरफ मां है, जो एक साथ कई तरह की भूमिकाओं का निर्वहन एक साथ करती है यानी वह ऐसे मदारी की भूमिका में होती है, जिसके हाथ में एक साथ 5-6 गेंदें होती हैं। बड़ी कुशलता से जिनमें से कुछ को वह अपने हाथ में रखती है, तो कुछ को आसमान में उछालती है। कितने अजब ढंग से वह इनके बीच एक संतुलन कायम किए रहती है।

लेकिन, आज की मां का स्वरूप कुछ बदला-बदला सा है। बच्चे, परिवार, करियर और साथ में अपना स्वास्थ्य और इससे भी बढ़ कर न जाने कितनी जिम्मेदारियों का बोझ उठाती है आज की मां। अब यह गुजरे जमाने की बात हो गई है, जब महिला सीमित परिवार के दायरे में रहकर काम करती थी। घर पर रहकर बच्चों की देखभाल करना, शाम को काम से थके-मांदे पति का इंतजार करना, पति की सेवा करना ही उसकी दिनचर्या में शामिल था। आज महानगरों में ही नहीं, बल्कि छोटे शहरों में भी कामकाजी महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ये कामकाजी माएं एक साथ कई मोचा पर डटी रहती हैं। एक आर वह ऑफिस में रहकर अपने पुरूष प्रतिद्वंद्वियों के बीच खड़ी अपने काम को बेहतर ढंग से करने का प्रयास करती है। पूरे दिन प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना, डेडलाइंस से जूझना और शाम को कॉकटेल में क्या पहनना है, के बीच उसका जीवन गुजरता है। यही सुपर लेडी शाम को जब घर लौटती है, तो पूरे जोशो-खरोश के साथ बच्चों की देखरेख करती है, उनकी जरूरतों का ख्याल रखती है, घर के बजट के बीच संतुलन कायम करती है और बच्चों के होमवर्क की जिम्मेदारी उठाती है। बच्चों के स्कूल में फंक्शन के लिए फैंसी ड्रेस तैयार करना और सास-ससुर को वीकएंड पर डिनर के लिए साथ ले जाना, ये सब उसी की जिम्मेदारी है— ये है आज की सुपर मॉम। न जाने कितनी जिम्मेदारियों के बीच उसे संतुलन कायम करना होता है। नतीजा यह होता है कि एक उम्र के बाद स्ट्रेस में लगातार रहने के कारण उसे स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियों से जूझना पड़ता है। यह तो तय है कि कामकाजी महिला को गैर-कामकाजी महिला की तुलना में कहीं ज्यादा जिम्मेदारियां उठानी पड़ती है। यदि आप भी ऐसी ही कामकाजी महिला हैं, तो अपने जीवन को किस तरह अच्छे ढंग से चलाएं, जिससे आगे चलकर स्वास्थ्य संबंधी कई तरह की समस्याओं से न जूझना पड़े। यह जानना आपके लिए बेहद जरूरी है।

क्या आप भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जो अपने काम को बेहतर ढंग से अंजाम देने के लिए अपना एक तयशुदा शेड्यूल बनाती हैं और उस पर किसी भी स्थिति में डटे रहने की कोशिश करती हैं? काम के समय पर पूरा न हो पाने की चिता में ऐसी महिलाएं तनावग्रस्त हो जाती हैं, लेकिन इसके भी काफी फायदे हैं। अपने रोज के कामों को बेहतर ढंग से करने के लिए खुद का भी ध्यान रखना जरूरी है। अधिकतर वकग मॉम मैनेजर्स अपने रूटीन का एक बिजनेस कैलेंडर बना लेती हैं, जिसमें मीटिंग्स और डेडलाइंस को पहली प्राथमिकता देती हैं। वह यह भूल जाती हैं कि करियर वूमन के साथ वह एक हाउसवाइफ भी हैं। वह इस कैलेंडर में अपने निजी जीवन के लिए कम समय निकाल पाती हैं। रिश्तेदारों के जन्मदिन, बच्चों के वैक्सीनेशन को कम प्राथमिकता दी जाती है। ऐसा करने की बजाय अपने फैमिली कैलेंडर और ऑफिस प्लानर को एक-दूसरे से अलग रखना चाहिए।

करियर वूमन को अलग-अलग भूमिकाएं निभाने में लंबी जद्दोजहद करनी पड़ती है। कई तरह के कामों को करने के बाद अक्सर एक उम्र तक पहुंचते-पहुंचते याद्दाश्त कम हो जाती है। यह भी देखा गया है कि बेहद अनुशासित रहने वाली मॉम भी याद्दाश्त के मामले में धोखा खा जाती है, जिसकी वजह से उनके काम गड़बड़ा जाते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए जहां-जहां आपकी नजर ज्यादा रहती है, वहां उन कामों को याद रखने के लिए स्लिप चिपकाएं। इसके लिए डैशबोर्ड, कार या बाथरूम के शीशे भी बेहतर जगह हो सकते हैं, जहां आप किए जाने वाले कामों को चिन्हित करके रखें। यदि कोई महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट कहीं लेकर जाना है तो उसे अपने ब्रीफकेस में पहले से ही रखें। यदि आपको अपनी याद्दाश्त पर बहुत कम भरोसा है, तो बच्चों से कहें कि वह किसी विशेष काम को या किसी विशेष चीज को विशेष समय पर याद दिलाएं।

क्यों रूक जाते हैं कदम

किसी भी दफ्तर के मैनेजर केबिन में झांक कर देखें तो आधी दुनिया की संख्या कम ही नजर आती है। आखिर क्या ऐसा कारण है कि पूरे जोश के साथ आगे बढ़ने वाली महिलाएं ऊंचे पद पर आसीन नहीं हो पातीं। इस प्रश्न को हमने कुछ महिलाओं से जानने का प्रयास किया-

प्रियंका श्रीवास्तव (ब्यूटिशियन) - हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं लेकिन उच्च पदों पर आसीन इसलिए नहीं हो पाती क्योंकि शादी के बाद उनके ऊपर इतनी जिम्मेदारियां बढ़ जाती है कि बढ़ते कदम रुक जाते हैं उनके टेलेन्ट को जंग लग जाती है। ऊंचे पद पर पहुंचने के लिए कढ़ी मेहनत, लगन तथा डेडीकेशन की आवश्यकता होती है। इनके लिए समय की आवश्यकता होती है, जो महिलाएं शादी के बाद नहीं दे पातीं और ऑफिस में सिर्फ साधारण कर्मचारी रह जाती है।

तनु सिंह (समाज सेविका)- पुरुष वर्ग को यह बात रास नहीं आती कि महिलाएं हमारे समकक्ष अथवा हमसे ऊचे पद पर आसीन हों। इस कारण उनकी राहों में तरह तरह की दिक्कतें पैदा करते हैं। क्योंकि पुरुष महिलाओं को हमेशा नीचे ही देखना चाहता है। जब महिलाओं के सामने इस तरह की दिक्कतें आती हैं तो वे भावुक होकर अपने जोश के साथ बढ़ते कदमों को पीछे ले लेती हैं।

कविता द्विवेदी (वर्किंग वुमेन)- मुझे नहीं लगता कि आज के समय में स्त्रियों के बढ़ते कदम रुक जाते हैं। महिलाएं पुरुषों से आगे निकल चुकी हैं, उनके बढ़ते कदमों को कोई रोक नहीं सकता। स्त्री ही शादी के बाद अथवा अन्य जिम्मेदारी आने पर अपने कदमों को रोक देती हैं। लेकिन अगर वे चाहें तो आगे बढ़ सकती हैं। शादी के पहले उसे यह बात कर लेनी चाहिए कि मैं अपने करियर से कोई समझौता नहीं करूंगी। मौका मिला तो आगे भी जाऊंगी। इस तरह परिवार और करियर दोनों को समय दे सकती हैं।

विभा पाण्डेय (गृहणी)- कहना बहुत ही आसान है कि करियर से मैं समझौता नहीं करूंगी, अपने करियर में कुछ करके दिखाऊंगी पर जब घर परिवार की सच्चाई और पति, परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां आती हैं तो अपने आप जिन्दगी से समझौता कर लेते हैं। एक और बात यह भी है कि अगर पति तथा परिवार का सर्पोट मिले तो महिलाएं भी उच्च पद आसीन हो कर अपनी पहचान बना सकती हैं। यह सर्पोट महिलाओं को प्यार से मिल सकता है, न कि झगड़ा करके।

जानवी शुक्ला (अध्यापिका)- महिलाएं चाहें तो वे कुछ भी कर सकती हैं। उच्च पदों पर आसीन भी हो सकती हैं और अपनी ख्याति पूरे देश में फैला सकती हैं। लेकिन महिलाओं का सबसे बड़ा दुश्मन है, उनका इमोश्नल होना। जैसे ही उनके पति बच्चों की देखभाल तथा पढ़ाई लिखाई की बात आती है, वैसे ही वे अपने करियर को बलिदान कर देती हैं लेकिन पुरुष नौकरी तथा आगे बढ़ने के क्रम को नहीं छोड़ता। महिलाएं जिन्दगी में बलिदान देती रहती है, यही कारण है कि आगे नहीं बढ़ पातीं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू) — धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3812

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3811 का हल

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

□ □ □

कवि (पत्नी से), ''तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।''

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली- 3812

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मौं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१.'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3811

सूडोकु -3812

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3811 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 3812

बाएँ से दाएँ

1.जानकारी-4
4.मांसाहार का उलट-4
8.'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9.कायाकल्प-5
10.पिता के छोटे भाई-2
13.कहानी लिखने वाला-5
15.नाम रखना-5
17.बेवक्त,अकाल-5
20.प्रयास,कोशिश-5
23.टोंटी,नलका-2
24.कामदेव,पुष्कर-2,3
25.डर,भय-4
28.शोर-शराबा-4
29.बेवफा,व्यभिचारी-4

ऊपर से नीचे

2.बिंदु,बिंदी,शून्य-2
3.गोलाकार-3
4.सम्मिलित होना-3,2
5.घाटा,नुकसान-2
6.मूर्ख,बेवकूफ-4
7.बिना कारण,बेवजह-4
11.राजा की पत्नी-2
12.वहम,संदेह-2
14.दुर्घटना-3
16.खाना बनाने की जगह,किचन-3
17.एकाएक, सहसा-4
18.अलमस्त-2
19.कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20.आरामदायी-5
21.सम्मान-2
22.भलमानसता-4
26.सद्,अच्छा-2
27.मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

शब्द पहेली -3811 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी